दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-215 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, मंगलवार 8 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

दुबई विजिट दूसरा दिन

मुख्यमंत्री का वैश्विक निवेशकों को मप्र आने का आमंत्रण

म.प्र. में सरकार निवेशकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी:मुख्यमंत्री

निवेश, व्यापार और औद्योगिक अवसरों के साथ सांस्कृतिक विरासत का हुआ प्रदर्शन

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नेदुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 में दुनिया भर के निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के विशाल घरेलू बाजार के केंद्र में स्थित है और मजबूत कनेक्टिविटी, विकसित औद्योगिक आधार तथा निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण तेजी से देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों को हर स्तर पर पूरा सहयोग मिलेगा और सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी।

भारत-यूएई संबंधों को नई आर्थिक ऊर्जा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंध आज अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और यूएई के शीर्ष नेतृत्व के बीच बने गहरे विश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को नई रणनीतिक और आर्थिक ऊर्जा दी है। वर्ष 2022 में लागू व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते सीईपीए ने व्यापार, निवेश, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल सहयोग के लिए नए अवसर खोले हैं। उन्होंने कहा कि भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर चुका है और वर्ष 2032 तक इसे 200 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास जताया कि इस लक्ष्य को हासिल करने में मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कृषि और फूड प्रोसेसिंग में बड़ी संभावना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत और यूएई की अर्थव्यवस्थाओं में अनेक समानताएं हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। विशेष रूप से कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश यूएई और पूरे खाड़ी क्षेत्र के लिए विश्वसनीय और दीर्घकालिक आपूर्ति साझेदार बन सकता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के प्रमुख कृषि राज्यों में शामिल है। सोयाबीन, गेहूं, दालों, मक्का, मसालों और अन्य कृषि उत्पादों के साथ प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यूएई अपनी खाद्य जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुबई जैसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार से प्रदेश के कृषि उत्पादों को जोड़ने से किसानों को बेहतर बाजार और उनकी उपज के बेहतर मूल्य मिल सकते हैं।

कार पेड़ से टकराई 4 युवकों की मौत

मंडीदीप (एजेंसी)। नूरगंज थाना क्षेत्र के औबेदुल्लागंज-सलकनपुर रोड पर ग्राम दीवटिया में सड़क हादसे में चार युवकों की जान चली गई। एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए भोपाल एम्स में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।हादसा ग्राम दीवटिया में पेट्रोल पंप के पास हुआ। कार तेज रफ्तार में थी और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी में फंसे युवकों को बाहर निकालने के लिए कटर का इस्तेमाल करना पड़ा।

भोपाल के पास कार का गेट काटकर निकालने पड़े शव; सभी एक ही गांव के रहने वाले

औबेदुल्लागंज से दिवटिया जा रहे थे

हादसे में जान गंवाने वाले चारों युवक दीवटिया गांव के निवासी थे। ये सभी औबेदुल्लागंज से दिवटिया जा रहे थे। इसी दौरान रात करीब 12 बजे पेट्रोल टैंक के पास पेड़ से कार टकरा गई।मृतकों में शुभम नागर (24) मंडीदीप की एक कंपनी में काम करता था। कार ड्राइव कर रहा गौरव नागर (24) पढ़ाई करता था। आशीष नागर (22) कीटनाशक की दुकान पर काम करता था। वहीं, कृष नागर (20) छात्र था।

बंगाल में मांसाहार पर बवालः धीरेंद्र शास्त्री बोले-

नवरात्र में नॉनवेज न खाएं भाजपा ने दी संस्कृति की दुहाई

कोलकाता (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा और नवरात्रि के दौरान दुर्गा प्रतिमाओं के आसपास मांसाहारी भोजन नहीं बेचने की अपील की है। हावड़ा के लिलुआ में तीन दिवसीय हनुमंत कथा के दौरान शास्त्री ने बंगाल के हिंदुओं से पूरी श्रद्धा और ईमानदारी के साथ नवरात्रि मनाने और अनुष्ठान करने का आग्रह किया।

वीएचपी की सलाह के बाद आया धीरेंद्र शास्त्री का बयान

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की यह अपील विश्व हिंदू परिषद की उस सलाह के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है, जिसमें पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा आयोजकों से पूजा पंडालों के आसपास मांसाहारी भोजन न रखने की बात कही गई थी। अब शास्त्री की ओर से भी इसी तरह की अपील किए जाने के बाद मामला और गरमा गया है।

मेथेनॉल की मिलावट का खुलासा, तभी शरीर में फैला तेजी से जहर; गटकने से दम तोड़ते गए लोग

112 की हालत बिगड़ी, सागर-भोपाल में भर्ती; शराब ठेकेदार समेत 30 पर केस, 10 गिरफ्तार

सागर (एजेंसी)। सागर जिले के बंडा क्षेत्र के गांवों में नकली और जहरीली शराब पीने से मौतों का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। अब तक 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 22 लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है। करीब 109 लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर जहरीली शराब के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। इस बीच शराब में मेथेनॉल की मिलावट की पुष्टि हुई है। बताया जा रहा है कि अधिक मुनाफा कमाने के लालच में शराब में मेथेनॉल मिलाया गया। लोगों का हाल जानने पहुंचे मध्य प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री और सागर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. राजेंद्र शुक्ल ने भी मेथेनॉल मिलावट की बात कही। उन्होंने बताया कि मेथेनॉल मिलाने से शराब की एक पेटी, जिसकी कीमत करीब 2200 रुपये होती है, उसकी लागत करीब 700 रुपये रह जाती है। ज्यादा मुनाफे के लालच में ऐसी शराब खरीदकर बेची गई।

शरीर में जाकर जहरीला बनता है मेथेनॉल

मेथेनॉल का इस्तेमाल आमतौर पर औद्योगिक कार्यों में किया जाता है। इसका उपयोग सॉल्वेंट, ईंधन और कुछ रसायनों के निर्माण में होता है। शराब में मेथेनॉल की मिलावट बेहद खतरनाक हो सकती है। इसे पीने के बाद व्यक्ति की तबीयत तेजी से बिगड़ सकती है और गंभीर स्थिति में मौत भी हो सकती है। बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज के इमरजेंसी मेडिसिन एवं पल्मोनरी विशेषज्ञ डॉ. सौरभ जैन के अनुसार, मेथेनॉल शरीर में जाने के बाद फॉर्मेलडिहाइड और फिर फॉर्मिक एसिड में परिवर्तित होता है। ये पदार्थ शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक होते हैं। इससे आंखों, दिमाग और अन्य अंगों पर गंभीर असर पड़ सकता है। कुछ मामलों में सांस लेने में भी परेशानी होने लगती है।

वायु सेना की बढ़ेगी ताकत-सुखोई में लगेगी रूस की सबसे ताकतवर मिसाइल

300 किमी दूर दुश्मन का शिकार होगा आसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सुखोई एम 30 लड़ाकू विमानों की क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें रूस की लंबी दूरी की RVV-BD एयर-टू-एयर मिसाइलों से लैस करने की तैयारी कर रहा है। DAC की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही भारत अस्त्र मिसाइल के नए संस्करणों और फ्रांस की मीटियर मिसाइलों के जरिए अपनी हवाई मारक क्षमता मजबूत कर रहा है। करीब 300 किलोमीटर तक की मारक क्षमता वाली ये मिसाइलें बेहद तेज रफ्तार से हवा में मौजूद दुश्मन के अहम ठिकानों को निशाना बनाने में सक्षम बताई जाती हैं। Su-30 MKI के अपग्रेड, AL-31 इंजन के ओवरहॉल और HAL के संभावित ALH मार्क-3 ऑर्डर से भी भारतीय रक्षा क्षमता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पुतिन के भारत दौरे से पहले अहम रक्षा प्रस्ताव

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के BRICS बैठक में शामिल होने के लिए भारत आने से कुछ दिन पहले रक्षा मंत्रालय इस प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। इस दौरान भारत और रूस के बीच कई महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों और सहयोग के मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

6 मैक की रफ्तार से लक्ष्य भेदने की क्षमता

रूस के पास RVV-BD मिसाइल के कई संस्करण हैं। बताया जाता है कि ये मिसाइलें करीब 6 मैक की हाइपरसोनिक रफ्तार से उड़ान भरते हुए एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग एंड कंट्रोल (AEW&C) विमान, खुफिया निगरानी करने वाले विमानों और दूसरे महत्वपूर्ण हवाई लक्ष्यों को निशाना बना सकती हैं। ऐसे विमान किसी भी वायु अभियान में दुश्मन के लिए बेहद अहम संपत्ति माने जाते हैं। RVV-BD मिसाइलों से लैस करने के लिए अपग्रेड किए जा रहे Su-x® MKI भारतीय वायु सेना की प्रमुख लड़ाकू ताकत हैं। इस समय वायु सेना के बेड़े में इन विमानों की संख्या 260 से अधिक है। बड़ी संख्या में मौजूदगी और उनकी लंबी दूरी की मारक क्षमता के कारण Su-30 MKI को भारतीय वायु शक्ति का अहम हिस्सा माना जाता है।

दो बड़े प्रोजेक्ट से और आधुनिक होंगे विमान

भारत अपने Su-30 MKI बेड़े को आधुनिक बनाने के लिए दो अलग-अलग प्रोजेक्ट्स पर भी काम कर रहा है। इन अपग्रेड के बाद विमानों की निगरानी, लक्ष्य पहचानने और लंबी दूरी तक हमला करने की क्षमता में महत्वपूर्ण सुधार होने की उम्मीद है। इससे मौजूदा विमानों को अत्याधुनिक क्षमताओं से लैस कर उनकी परिचालन उपयोगिता को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद मिलेगी।

7 फ्लाइट्स डायवर्ट...

अमृतसर एयरपोर्ट पर ड्रोन जैसी संदिग्ध चीजें दिखने से हड़कंप

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार देर रात हड़कंप मच गया। रनवे के पास आसमान में दो से चार उड़ती हुई संदिग्ध चीजें दिखाई दीं, जो पहली नजर में ड्रोन जैसी लग रही थीं। नजारा सामने आते ही एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने अलर्ट जारी कर दिया। यह घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। रनवे के पास संदिग्ध गतिविधि दिखने के बाद सुरक्षा के लिहाज से अमृतसर आने वाली 7 उड़ानों का रास्ता बदल दिया गया। इनमें से कुछ फ्लाइट्स को दिल्ली और कुछ को चंडीगढ़ डायवर्ट किया गया। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, ये उड़ती हुई चीजें गांव रुड़ाला की तरफ से एयरपोर्ट की दिशा में आती दिखाई दी थीं। कुछ देर तक ये रनवे और आसपास के संवेदनशील इलाके के ऊपर मंडराती रहीं। अमृतसर सीमावर्ती जिला है। ऐसे में एयरपोर्ट के पास इस तरह की संदिग्ध गतिविधि को सुरक्षा के लिहाज से गंभीर माना गया।

ड्रोन थे या कुछ और, साफ नहीं

फिलहाल यह पुष्टि नहीं हुई है कि आसमान में दिखाई दीं ये वस्तुएं वास्तव में ड्रोन थीं या कोई दूसरी उड़ने वाली चीज। सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। जांच के दौरान यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ये वस्तुएं कहां से आई थीं। साथ ही उनकी पहचान को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है।

मिस्र में एंकर सारा समेत 12 लोगों को फांसी की सजा

कानूनी प्रक्रिया के पूरा होने के बाद कोर्ट के फैसले की पुष्टि की गई

नई दिल्ली (एजेंसी)

मिस्र की एक कोर्ट ने टीवी प्रेजेंटर सारा खलीफा समेत 12 लोगों को ड्रग्स से जुड़े मामले में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट के मुताबिक, ये सभी लोग एक आपराधिक गिरोह का हिस्सा थे। यह गिरोह ड्रग्स बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री विदेश से मंगाता था और बाद में उनसे नशीली दवाएं तैयार कर उन्हें बेचता था।

जांच के दौरान इनके पास गैरकानूनी हथियार और गोलियां भी बरामद हुई थीं। कोर्ट ने यह फैसला पिछले महीने सुनाया था, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि अब हुई है।

मिस्र में मौत की सजा के मामलों में अदालत को देश के ग्रैंड मुफ्ती से धार्मिक राय लेना जरूरी होता है। इसी कानूनी प्रक्रिया के पूरा होने के बाद अदालत के फैसले की पुष्टि की गई।

बागपत में 12 श्रद्धालुओं की मौत

बागपत। यूपी के बागपत में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप टक्कर के बाद पलट गई। हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 6 पुरुष, 3 महिलाएं, 3 बच्चे हैं। 19 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। पिकअप में 32 श्रद्धालु सवार थे। ये राजस्थान के बागड़ धाम (गोगामेड़ी) से बदायूं लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 1 बजे पिकअप को तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। फिर घिसटते हुए सड़क के बीचों-बीच पलट गई। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा इतना भयावह था कि लाशें 30 मीटर दूर तक बिखर गईं। चीख-पुकार मच गई।

गुड न्यूज यह प्रस्ताव भारत समेत 67 देशों के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र महासभा में किया गया था पेश

भारत की मुहिम को मिली वैश्विक पहचान, अब हर साल 27 नवंबर को मनेगा बाल विवाह के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस

नई दिल्ली (एजेंसी)

बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ भारत की मुहिम को वैश्विक पहचान मिल गई है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हर साल 27 नवंबर को बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव सिएरा लियोन की ओर से भारत समेत 67 देशों के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश किया गया था, जिसे अब मंजूरी मिल गई है।

भारत से जुड़ी है 27 नवंबर की तारीख

27 नवंबर की तारीख का भारत से विशेष संबंध है। इसी दिन वर्ष 2024 में केंद्र सरकार ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान का उद्देश्य देश में बाल विवाह रोकना और 2030 तक इसे पूरी तरह समाप्त करना है। बाल अधिकार संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋभु ने संयुक्त राष्ट्र के फैसले को बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अब दुनिया की सरकारों को 2030 तक बाल विवाह खत्म करने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय दिवस सरकारों, नागरिक समाज, स्कूलों, समुदायों और धार्मिक नेताओं को मिलकर कार्रवाई करने के लिए वैश्विक मंच प्रदान करेगा।

भारत में घटा बाल विवाह का आंकड़ा

- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (एनएफएचएस) के आंकड़ों के अनुसार भारत में बाल विवाह के मामलों में कमी आई है।
- एनएफएचएस-5 (2019-21) के अनुसार 18 वर्ष से पहले विवाह करने वाली लड़कियों का प्रतिशत 23.3 था।
- एनएफएचएस-6 (2023-24) में यह घटकर 20.1 प्रतिशत रह गया है।
- केंद्र सरकार ने 2026 तक बाल विवाह की दर को 10 प्रतिशत तक लाने और 2030 तक देश को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है।

अभियान की पहुंच अब दूसरे देशों तक

भारत की बाल विवाह विरोधी मुहिम अब अन्य देशों तक भी पहुंच रही है। जेआरसी के प्रयासों से दिसंबर 2024 में बाल विवाह मुक्त नेपाल अभियान शुरू किया गया। संगठन के अनुसार, यह अभियान अब 99 से अधिक देशों तक पहुंच चुका है और करोड़ों लोगों ने बाल विवाह समाप्त करने का संकल्प लिया है।

[आयोजन] वैश्य महासमेलन ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

एकता में वैश्य समाज की ताकत : सुधीर अग्रवाल

नगर संवाददाता, सतना।

वैश्य महासम्मेलन के प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का आयोजन रीवा रोड स्थित श्रीसाइन मैरिज गार्डन में किया गया। समारोह में रीवा, सतना एवं मैहर जिलों की मेधावी प्रतिभाओं का सम् मान किया गया। बताया गया कि समारोह में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं तथा यूपीएससी, एमपीपीएससी और नीट जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित करने वाले युवाओं का सम्मान हुआ। इसके साथ ही सतना एवं रीवा जिले के एल्डरमैन के रूप में मनोनीत सदस्यों को भी सम्मानित किया गया। इससे पहले वैश्य महासम्मेलन की संभागीय बैठक का आयोजन किया गया।

आयोजन में समाज के गौरवशाली इतिहास, वर्तमान सामाजिक भूमिका और संगठन के भविष्य को लेकर गंभीर एवं सार्थक मंथन हुआ। कार्यक्रम में समाज को अधिक संगठित, सक्रिय और प्रभावशाली बनाने के साथ प्रत्येक समाजबंधु की सहभागिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल ने कहा कि समाज की मजबूती पदों से नहीं, हर व्यति की सक्रिय सहभागिता से होती है।

हमें खुद से पूछना होगा कि हम समाज को कितना समय दे रहे हैं। मतभेदों से ऊपर उठकर एकता और समरसता से आगे बढ़ना होगा। प्रदेश मंत्री राजीव खंडेलवाल ने कहा कि वैश्य समाज का गौरवशाली इतिहास हमारी पहचान है, वर्तमान हमारी जिम्मेदारी है। समाज ने हमेशा देश की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाई है। मंच पर पूर्व स्पीकर अनिल जायसवाल, प्रदेश मंत्री अशोक गुप्ता, जिला अध्यक्ष संजय अग्रवाल चांदी, जिला प्रभारी राजीव गुप्ता बबलू सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एड. सुरेश गुप्ता व सागर गुप्ता ने किया। आभार प्रदर्शन प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्याम लाल गुप्ता 'श्यामू' ने किया।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री निकेश गुप्ता ने संगठन की संरचना और रोडमैप रखते हुए कहा कि कार्ययोजना कागजों तक सीमित न रहे, उसकी पहुंच हर परिवार तक हो। युवाओं और मातृशति को जोड़ना प्राथमिकता है। महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि सभी समाजों को जोड़कर ही मजबूत सामाजिक शक्ति बन सकती है। स्वागत संभागीय अध्यक्ष लखन लाल केसरवानी ने किया, प्रस्तावना प्रदेश महामंत्री अतुल जैन ने रखी।

ये रहे मौजूद

इस दौरान संजय गुप्ता माधवगढ़ अभिषेक जैन त्रिलोकीनाथ कैलाश सोनी हेमचंद्र जायसवाल राजेन्द्र ताम्रकार महेंद्र जैन अमित सोनी ब्रजेश निगम जितेन्द्र साहू श्याम सुंदर साहू मीरा अग्रवाल रावेंद्र श्रीवास्तव सागर चौरसिया सुजीत गुप्ता महेश गुप्ता महेंद्र गुप्ता हरिनाथ जायसवाल दुर्गेश गुप्ता सचिन गुप्ता मेवा लाल गुप्ता मनीष ताम्रकार सोमचंद गुप्ता अश्वनी अग्रवाल अरविन्द गुप्ता प्रमोद गुप्ता ध्रुव ताम्रकार हरीश अग्रवाल सुशील गुप्ता सहित सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे।

राज्य कर्मचारी संघ ने की बैठक, कल ब्लॉक व तहसील स्तर पर सौंपेंगे ज्ञापन

नगर संवाददाता, सतना।

राज्य कर्मचारी संघ जिला इकाई की आवश्यक बैठक सर्किट हॉउस में आयोजित हुई। बैठक मे संभागीय अध्यक्ष लक्ष्मन गर्ग जी की उपस्थित में आगामी 8 सितम्बर को ब्लॉक तहसील स्तर पर ज्ञापन सौपने की रुपरेखा पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जितेंद्र त्रिपाठी द्वारा की गई। जिले के सभी ब्लाक कमेटी को आगामी 8 सितम्बर को ज्ञापन सौपे जाने की जिम्मेदारी देते हुए जिला कमेटी को ज्ञापन के रिशीविंग की कॉपी फोटो ज्ञापन देते हुए की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक मे शिक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश सयोजक सी एल सिंह, सचिव बीरेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष ऋषिकेश गुप्ता, राजेश चतुर्वेदी प्रदेश सह सचिव, पद्मधर दुवेदी विधि सलहकार,के के गौतम तहसील सचिव, अनिल कुमार शर्मा ब्लाक अध्यक्ष नागौद, प्रियव्रत सिंह, विजय सिंह परिहार अध्यक्ष वन विभाग, अमित त्रिपाठी तह सचिव, विष्णु नारायण त्रिपाठी ब्लाक अध्यक्ष सोहवाल,हेमराज सिंह ब्लाक अध्यक्ष सोहवाल, जैनेन्द्र गौतम विभाग अध्यक्ष स्वास्थ्य विभाग की उपस्थित उल्लेखनीय रही।

संक्षिप्त समाचार

अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन सतना जिला इकाई की टीम घोषित

सतना। अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशोक अग्रवाल एवं प्रदेश अध्यक्ष गोविंद गोयल कुलदीप धारिया ने सतना जिले की टीम की घोषणा की है। टीम में जिला प्रभारी कमलेश गुप्ता, जिला अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल टिंकू ,महामंत्री पद पर राजेश केशरवानी,आनंद शंकर खरे,कोषाध्यक्ष पद पर प्रदीप जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर ओमप्रकाश केसरवानी, जितेंद्र साहू ,संजय बांका, नवीन अग्रवाल, रविकांत महेश्वरी, रज्जू केसरवानी, संजय गुप्ता ,राजकुमार गुप्ता ,प्रदीप कुमार जैन, उपाध्यक्ष पद पर पी डी अग्रवाल ,भरत चौरसिया, तरुण ठक्कर, सीताराम अग्रवाल, धीरज जैन, अमित अग्रवाल, संजय जायसवाल ,उमाशंकर अग्रवाल, मंत्री पद पर अभिजीत गुप्ता, नितिन लोया ,छवी गुप्ता, रितेश खंडेलवाल, मनोज गुप्ता, अंकित गोयल, संजीव गुप्ता, राजेश अग्रवाल, राजेंद्र गुरु, विनोद जायसवाल, जिला मीडिया प्रभारी विजय गुप्ता को एवं सोशल मीडिया प्रभारी आशीष गुप्ता को नियुक्त किया है ।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पण्डित रविकांत तिवारी 'रज्जन' ने की मदद

सतना। जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते हुए पण्डित रविकांत तिवारी 'रज्जन', महाकौशल प्रांत प्रभारी, परशुराम कल्याण बोर्ड, मध्य प्रदेश शासन ने बिरसिंहपुर क्षेत्र के प्रभावित गांवों में पहुंचकर गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित परिवारों के घरों एवं मकानों की स्थिति का जायजा लिया, पीड़ति परिवारों का हालचाल जाना और उन्हें भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में हरसंभव सहायता के लिए वे उनके साथ खड़े हैं। पण्डित रविकांत तिवारी 'रज्जन' ने कहा कि चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र बाढ़ की विभीषिका से गंभीर रूप से प्रभावित है और अनेक गरीब परिवारों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। प्रशासन को तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराकर जरूरतमंद परिवारों को उचित राहत, सहायता एवं क्षतिपूर्ति उपलब्ध करानी चाहिए।

लायंस क्लब प्रकृति ने किया शिक्षकों का सम्मानित

नगर संवाददाता, सतना।

लायंस क्लब प्रकृति सतना द्वारा शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर शिक्षा जगत में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रबुद्ध शिक्षकों के सम्मान में 'शिक्षक सम्मान समारोह 2026' का भव्य व गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों एवं क्लब पदाधिकारियों द्वारा शिक्षकों को विशेष प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट पीआरओ लायन वीरेंद्र आर्य उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में लायन एस.पी. अग्निहोत्री, रीजन चेयरपर्सन लायन मनोज्ञा सिंह तथा निवर्तमान अध्यक्ष एवं जोन चेयरपर्सन लायन सागर अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए उनका मार्गदर्शन किया।

इन शिक्षकों का हुआ सम्मान-शिक्षा, संस्कार और समाज निर्माण में उत्कृष्ट भूमिका के लिए क्लब द्वारा निम्नलिखित विभूतियों को प्रशस्ति पत्र देकर श्रीमती अनुराधा पाण्डेय, डॉक्टर देवेंद्र सिंह, मिस सलोम चाउफिन सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए अध्यक्ष लायन सुधीर अग्रवाल ने कहा कि शिक्षक समाज के सच्चे शिल्पकार और राष्ट्र निर्माता हैं।

महापर्व पर्युषण शुरू होने के पूर्व सामूहिक सामायिक व क्षमापना का आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

श्वेतांबर जैन धर्मावलंबियों के आठ दिवसीय सबसे बड़े पर्व पर्वाधिराज पर्युषण 8 सितंबर मंगलवार से प्रारंभ हो रहे हैं। पर्युषण प्रारंभ होने से पूर्व जगत के सभी जीवों से क्षमा याचना करते हुए 48 मिनट का सामूहिक सामायिक रविवार को ऋ षभ अभय देव जैन भवन गांधी चौक में किया गया । इस सामायिक में 150 से अधिक संख्या में बच्चे महिला पुरुष आसन लगाकर 48 मिनट तक एक स्थान पर बैठकर सभी जीवों से क्षमा मांगते हुए मिच्छामी दुक्डम का उद्गार व्यक्त किया। पुण्या श्रावक बनने का लाभ मातोश्री चंदनबेन गुलाबचंद साकरचंद परिवार द्वारा लिया गया।

श्री श्वेतांबर जैन संघ ट्रस्ट के प्रचार प्रमुख संदीप कुमार जैन ने बताया कि इस वर्ष सतना में साहित्य दिवाकर, परमार्थमूर्ति परम पूज्य अचलगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय कलाप्रभसागरसूरीश्वर महाराज की आज्ञानुवर्तिनी तथा नवकार मंत्र आराधिका मातृहृदया प्रवर्तिनी महत्तरा साध्वी गुरूवर्या साध्वी वसंतप्रभा के दिव्य आशीष से उनकी शिष्या साध्वी नंदिषेणाश्री साध्वी शासनप्रभाश्री साध्वी सुनयना आदि ठाणा 3 चातुर्मास हेतु ऋषभ-अभयदेव जैन भवन में विराजमान है। साध्वी गण की पुण्य निश्रा में इस वर्ष पर्युषण महापर्व की आराधना बहुत ही हर्ष,तप एवं उल्लास के साथ होने वाली है । श्री श्वेतांबर जैन संघ ट्रस्ट के अध्यक्ष दीपक भाई बोरा एवं मंत्री राजेश कुमार बोरा ने सभी श्रावक श्राविकाओं से सभी कार्यक्रम मे समय पर पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

संत कुंज आदर्श विद्यापीठ में हर्षोल्लास से मनाया गया श्रीकृष्ण उत्सव व शिक्षक दिवस

नगर संवाददाता, सतना।

संत कुंज आदर्श विद्यापीठ में श्रीकृष्ण उत्सव एवं शिक्षक दिवस श्रद्धा, उल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यापीठ संचालकस्वामी साकेत बिहारी शरण जू महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने उद्बोधन में महाराज श्री ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनकी दिव्य लीलाओं एवं उनके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं शिक्षक दिवस के अवसर पर उन्होंने शिक्षा और शिक्षक के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यापीठ के समस्त शिक्षकों का तिलक लगाकर, श्रीफल एवं अंगवस्त्र भेंट कर तथा उपहार प्रदान करके सम्मान किया गया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के मन में भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति श्रद्धा एवं गौरव की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ने शिक्षकों का किया सम्मान

■ नन्हे बच्चों को पुरस्कार देकर बढ़ाया उत्साह

नगर संवाददाता, सतना।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सतना मेन द्वारा बड़े जैन मंदिर परिसर में शिक्षक दिवस के अवसर पर समाज की उन समर्पित एवं सेवाभावी महिलाओं के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जो जैन पाठशालाओं के माध्यम से समाज के नन्हे बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ धार्मिक एवं नैतिक संस्कार प्रदान करने का पुनीत कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर जैन पाठशालाओं में अपनी सेवाएं प्रदान कर रही रेशम जैन, डॉ. आराधना जैन, वैशाली जैन, शिल्पी जैन, निहारिका जैन, रिचा जैन, रजनी जैन, ज्योति जैन एवं स्वाति जैन का ग्रुप द्वारा उपहार भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में पाठशाला के नन्हे बच्चों को भी ग्रुप द्वारा पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें धर्म एवं संस्कारों के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम का संचालन ग्रुप के सचिव गौरव सेठ ने किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने कासलीवाल के समाज एवं ग्रुप के प्रति योगदान को नमन करते हुए उनकी पुण्य स्मृति को श्रद्धापूर्वक याद किया। कार्यक्रम के अंत में ग्रुप अध्यक्ष डॉ. अजीत जैन एवं सचिव गौरव सेठ ने उपस्थित सभी अतिथियों, पाठशाला की शिक्षिकाओं, बच्चों एवं ग्रुप के सदस्यों के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

प्रताप सिंह के आकस्मिक निधन पर दी गई शोक श्रद्धांजलि

नगर संवाददाता, सतना।

सरदार वल्लभ भाई पटेल स्मारक ट्रस्ट, सतना के संस्थापक सदस्य एवं वर्तमान अध्यक्ष प्रताप सिंह का 28 अगस्त को आकस्मिक निधन हो जाने के उपरांत ट्रस्ट भवन, सतना में ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष चौधरी महेंद्र सिंह, प्रो. आर. डी. सिंह, राम निरंजन सिंह, अशोक सिंह एवं गेंदलाल भाई पटेल ने प्रताप सिंह के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से चौधरी महेंद्र सिंह, रामनिरंजन सिंह, प्रो. आर. डी. सिंह, बृजेन्द्र सिंह, गेंदलाल भाई पटेल, अशोक सिंह, भाईलाल सिंह, बृजेश प्रताप सिंह, उपेंद्र सिंह, एडवोकेट भारगेन्द्र सिंह, सुभाष सिंह, बृजेश सिंह अबेर, अशोक सिंह पप्पू, अनूप सिंह सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ब्राह्मण एकता समन्वय समिति के राजऋषि पाण्डेय जिलाध्यक्ष नियुक्त

नगर संवाददाता, सतना।

ब्राह्मण एकता समन्वय समिति की बैठक हनुमान गढ़ी राजेन्द्र नगर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष योगेश शर्मा ने की एवं मुख्य अतिथि के रूप में महेन्द्र पाण्डेय एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में शैलेन्द्र त्रिपाठी उपस्तिथ रहे। बैठक में समिति द्वारा पूर्व में किये गए कार्यों की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमो की रूप रेखा बनाई गई। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष योगेश शर्मा ने बताया कि संगठन तेजी से पूरे जिले में ही नही अपितु जिले बाहर भी अपना विस्तार कर रहा है।

ततपश्चात समिति का विस्तार करते हुए प्रदेश अध्यक्ष योगेश शर्मा द्वारा राजऋषि पाण्डेय (अमन) को जिला अध्यक्ष (युवा शक्ति) , सुशील कुमार मिश्रा को जिला सह संयोजक एवम नंद किशोर मिश्रा को नगर संयोजक बनाया गया। बैठक में मुख्य रूप से मातृशक्ति जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रभा गौतम, श्रीराम पाण्डेय, कृष्णा पाण्डेय,उपेन्द्र मिश्रा, अनुराग पटनहा,अर्जुन तिवारी, मनोज कुमार पाण्डेय, शिव राम द्विवेदी, राजेश कुमार पाण्डेय,सचिन, त्रिपाठी, देबाशीष शर्मा, अनूप त्रिपाठी, आकाश तिवारी, नमन कुमार गौतम, ऊत्तम द्विवेदी, हर्षित त्रिपाठी, नीरज मिश्रा सहित समिति के अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे।

शारदेय दुर्गा पूजा का प्रथम निमंत्रण मां काली को अर्पित

नगर संवाददाता, सतना।

बंगाली कल्याण समिति, सतना द्वारा आयोजित शारदेय दुर्गा पूजा 2026 का प्रथम निमंत्रण रविवार को विधि-विधान के साथ मां काली एवं भगवान भोलेनाथ के चरणों में समर्पित किया गया। समिति के सचिव सुभाष बनर्जी ने बताया कि कालीबाड़ी परिसर, मुख्त्यारगंज में आयोजित इस कार्यक्रम में आचार्य असितवरन मिश्र द्वारा मंत्रोच्चार सहित महापौर योगेश ताम्रकार समिति के अध्यक्ष भास्कर भट्टाचार्य, रामऔतार चमड़िया, महिला समिति अध्यक्ष मौसुमी बनर्जी, हरिओम गुप्ता, राखी मित्रा ने समाज बंधुओं एवं हिंदू पर्व समन्वय समिति के सदस्यों के साथ मां काली एवं देवाधिदेव महादेव को प्रथम आमंत्रण निवेदित किया। परंपरा अनुसार मां को निमंत्रण देने के पश्चात ही दुर्गापूजा की तैयारियां प्रारंभ मानी जाती हैं। इस अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि बंगाली समाज द्वारा मनाई जाने वाली दुर्गापूजा सतना की सांस्कृतिक एकता व सद्भाव का प्रतीक है। सभी मिलजुल कर मनाते हैं। नगर निगम समिति के हर आयोजन में सहयोग के लिए तत्पर है। इस अवसर पर बंगाली कल्याण समिति के अध्यक्ष भास्कर भट्टाचार्य, विमल मित्रा, जेसी विश्वास, पुलक पंडा, कृष्णाराम चक्रवर्ती, मोहित ठाकुर, वी के गुप्ता, डॉ ज्ञानगोपाल बनर्जी, सुरेश सोनकर, सुनील सेनानी, सीमा भट्टाचार्य, राखी मित्रा, विभाष बनर्जी ,शशिभूषण भट्टाचार्य ,सुप्रभात बोस, स्मिता मधुमिता भट्टाचार्य , सुकुमार माल, विश्वजीत मल्लिक, दीपांकर आकाश, अर्नव सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य, मातृशक्ति एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

[सहयोग] सांसद के साथ जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संगठनों ने बढ़ाया मदद का हाथ

बाढ़ पीड़ित परिवारों के घर पहुंचकर बांटी गई खाद्यान्न सामग्री

नगर संवाददाता, सतना।

चित्रकूट के वार्ड नंबर 04 लोधन टिकुरा और वार्ड नंबर 09 भरत घाट में रविवार को बाढ़ पीड़ित परिवारों को गल्ला तिलहन व्यापारी संघ के सहयोग से सूखा खाद्यान्य तथा कपड़े आदि का वितरण सांसद गणेश सिंह द्वारा किया गया, ये वो परिवार है जिन्हें अभी तक कोई सहयोग नहीं पहुंचा था, इसके बाद सांसद गणेश सिंह ने भाजपा की मंडल अध्यक्ष विनीता शिवहरे पार्षद रविमाला सिंह तथा प्रसिद्ध संत महामंडलेश्वर रामनरेश दास के मोहल्ले में जाकर बाढ़ का जायजा लिया एवं पीड़ित परिवारों से मिले। इस अवसर पर चित्रकूट विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष विजय यादव, नगर पंचायत की अध्यक्ष साधना पटेल, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष प्रवल श्रीवास्तव, जिला पंचायत सदस्य संजय सिंह, विधायक प्रतिनिधि ओम प्रकाश शर्मा, गल्ला तिलहन व्यापारी संघ के अध्यक्ष पुष्पेंद्र द्विवेदी, नीरज शर्मा, काशी त्रिपाठी, टिंकू अग्रवाल, दीपेंद्र द्विवेदी, गोपेश अग्रवाल, राजकुमार गुप्ता सहित कई लोग मौजूद थे।

रेहुटा, खोहर व किचवरिया के 150 परिवारों को भी मिली राहत

वहीं दूसरी तरफ सेमरावल नदी में बाढ़ से प्रभावित गांव रेहुटा, खोहर और किचवरिया के 150 परिवारों को दीनदयाल उपाध्याय के मंडल अध्यक्ष संजय अग्रवाल चांदी तथा उनके समाज के सहयोग से खाद्यान्य एवं अन्य सामग्री को संसदीय क्षेत्र के प्रभारी उमेश प्रताप सिंह लाला द्वारा वितरित किया गया, उनके साथ में अशोक अग्रवाल, राजीव गुप्ता, सागर गुप्ता, सुधीर आहूजा दारा, राजेश महोबे बाबा, महेन्द्र जैन, अभिमन्यु सिंह, पिंटू सिंह इटौर, बिक्रम सिंह, रोहित सिंह उपस्थित रहे।

बरदाडीह गांव में बाढ़ प्रभावितों को मिली मदद

वही अग्रसेन क्लब सतना की टीम सुमित अग्रवाल(सोमू) के नेतृत्व में बरदाडीह गांव में बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री किट (दूध, ब्रेड, टोस्ट, बिस्किट, नमकीन, जैम आदि) व महिलाओं को साड़ी व बच्चो के कपड़े लगभग 125 किट वितरित किया गया, उनके साथ में उमंग गौरी (न्यू गौरी जेवर), राहुल कांत अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, शिशिर अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, यश अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, हर्षित अग्रवाल, शिवांश अग्रवाल उपस्थित रहे

बाढ़ पीड़ितों की सहायता : डॉ राकेश अग्रवाल ने जीवनरक्षक दवाइयां कराईं उपलब्ध

नगर संवाददाता, सतना।

चित्रकूट क्षेत्र में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए आई एम ए अध्यक्ष व वन बंधु परिषद सतना के अध्यक्ष डॉ राकेश अग्रवाल द्वारा जीवनोपयोगी दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। जरूरतमंद बाढ़ पीड़ितों के लिए लगभग एक लाख रुपये मूल्य की उपयोगी दवाइयां दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से समाजसेवी जागृत कपूर के सहयोग से भेजी गईं। इस पुनीत सेवा कार्य के लिए डॉ. राकेश अग्रवाल ने दवा प्रतिनिधियों के माध्यम से आवश्यक एवं उपयोगी दवाइयों की व्यवस्था कराई। बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की यह पहल मानवीय संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का सराहनीय उदाहरण है।

इनका भी रहा योगदान

इस सेवा कार्य में डॉ. देवेश अग्रवाल एवं अधिवक्ता आभा अग्रवाल का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। सभी सहयोगकर्ताओं ने आपदा की इस घड़ी में पीड़ति परिवारों की सहायता को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी बताते हुए भविष्य में भी जरूरतमंदों की मदद जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

पदोन्नति सहित अन्य मांगों को लेकर कुलगुरू को सौंपा गया ज्ञापन

रीवा। अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कर्मचारी संघ ने कुलगुरू अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा को ज्ञापन सौंपा है। सौंपे गये ज्ञापन में मांग की गयी है कि म.प्र. शासन द्वारा लंबे समय के बाद कर्मचारियों को पदोन्नति किए जाने हेतु आदेश जारी किये गये हैं। किंतु विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को अब तक पदोन्नति का लाभ नहीं दिया गया। जबकि अन्य विभागों में पदोन्नति आदेश जारी किया जा चुका है। इस पर प्राथमिकता से पदोन्नति हेतु निर्देश जारी किया जाय। हीरालाल साकेत अधीक्षक के पद पर परीक्षा विभाग में कार्यरत थे जिनकी उपचार के दौरान दिनांक 26अक्टूबर 2025 को निधन हो गया था किन्तु मृतक कर्मचारी के आश्रित को अभी तक अनुकम्पा नियुक्ति एवं स्वत्वों का भुगतान नहीं किया गया। उक्त प्रकरण में अविलम्ब कार्यवाही हेतु निर्देश जारी किया जाय। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में एक वर्ष पूर्व बैकलाग के रिक्त पदों की सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया था किन्तु एक वर्ष से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद भी अभी तक भर्ती नहीं की गई जिससे काम का बोझ बढ़ता जा रहा है। संघ के अध्यक्ष रामसुजान साकेत सचिव चंद्रदेव साहू सहित अन्य पदाधिकारियों ने मांगों पर त्वरित कार्यवाही का अनुरोध किया है।

कुर्मी क्षत्रिय समाज ने दी लक्ष्मण को दी श्रद्धांजलि

रीवा। 4 सितंबर को कुर्मी क्षत्रिय समाज की बैठक बैजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रतहरा में सम्पन्न हुई। जिसमें ग्राम पहरखा विकासखंड गंगेव निवासी लक्ष्मण प्रसाद पटेल के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। स्व. लक्ष्मण प्रसाद पटेल 75 वर्ष के थे एवं जीवन भर एक कुशल कृषक के रूप में कार्य किया, उनके निधन से समाज को भारी नुकसान हुआ है। शोक व्यक्त करने वालों में जिला अध्यक्ष बीरभद्र सिंह, पूर्व सांसद बुद्धसेन पटेल, पूर्व सांसद देवराज सिंह, पूर्व मंडी अध्यक्ष राम सिंह, पूर्व विधायक श्रीमती विद्यावति पटेल, बसपा नेता पंकज सिंह, कांगेस नेता दिलीप सिंह, जिला पंचायत के पूर्व सदस्य इंद्रमणि सिंह, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल, महेन्द्र पटेल, सेवा नि. शिक्षक रामनिवास पटेल, श्रीमती गायत्री पटेल, कृष्णा पटेल, बृजेन्द्र पटेल सहित समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

पेंशनर्स एसोसियेशन की बैठक कल

रीवा। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसियेशन की बैठक 08 सितम्बर को 01 बजे दोपहर से संघ कार्यालय कोठी कम्पाउण्ड रीवा में आयोजित की गई है। बैठक की जानकारी एसोसियेशन के जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ उप प्रान्ताध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने दी है। बैठक में विभिन्न मुद्धों पर विचार विमर्स किया जावेगा। बैठक में सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

राजनीतिक फायदे के लिए दुखद घटना को हथियार ना बनाएं कांग्रेसीः वीरेंद्र गुप्ता

रीवा, नगर संवाददाता।

भाजपा रीवा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने कल्पना मिश्रा के दुखद मौत पर कांग्रेस पार्टी द्वारा की जा रही राजनीति पर दुख जताते हुए कहा कि पूरी भाजपा कल्पना मिश्रा के परिजनों के दुख में उनके साथ खड़ी है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने अति संवेदनशीलता के घटना को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कदम उठाते हुए सख्त कार्यवाही का आदेश दिया और उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर निष्पक्ष जांच के लिए राज्य स्तरीय जांच दल का गठन किया जिसने त्वरित जांच शुरू की प्रथम दृष्टिया ही कर्मचारियों पर कार्यवाही कर निलंबित किया गया डीन को भी स्थानांतरित किया गया,मजिस्ट्रेट जांच का आदेश कराया गया साथ ही उपमुख्यमंत्री ने कल्पना मिश्रा के पिता और ससुराल जाकर दुख जताकर उनके द्वारा जांच के निर्णय के अनुरूप दोषियों पर सख्त कार्यवाही का भरोसा दिया है और जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे उनके ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी किसी को बख्शा नहीं जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और उनके नेताओं द्वारा जिस तरह से राजनीतिक फायदे के लिए दुखद घटना को हथियार की तरह उपयोग कर रहे है वह अत्यंत ही निंदनीय है। कांग्रेसी नेताओं को कल्पना मिश्रा के परिवार पर हुए वज्रपात से नहीं बल्कि उनकी दिलचस्पी राजनीतिक इस्तेमाल से है। कांग्रेस विधायक ने अपने बयान से मुखौटा उठा दिया है अत्यंत दुखद

घटना पर कांग्रेस के लोग राजनीतिक रोटी सेक रहे है। वह अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण है बयान देकर विधायक ने बता दिया कि जिले में अशांति फैलाने के लिए मौत पर राजनीति करने वाली टीम के वही मास्टर हैं।

जिले की जनता कांग्रेस के असली चाल चरित्र को अच्छी तरह जानती है

श्री गुप्त ने कहा कि रीवा जिले की जनता कांग्रेस के चाल चरित्र को अच्छी तरह से जानती है। कांग्रेस पार्टी झूठ बोलने और भ्रम फैलाने की मशीन बन कर रह गई है। सेमरिया विधायक जिस तरह से अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं उन्हें बताना चाहिए कि उन्होंने राजनीति के अलावा विकास के लिए क्या किया है,विधायक के पास जनता को बताने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है इसलिए एक दो महीने में उनके द्वारा नकारात्मक राजनीति के माध्यम से रीवा के सौहार्दपूर्ण वातावरण को बिगड़ने का काम किया जाता है और अशांति फैलाने की नियत से अनैतिक रूप से आंदोलन के माध्यम से घरों में घुसने अस्पताल में धरने सहित प्रदर्शन कराए जा रहे हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि आज रीवा विकास की ऊंची उड़ान भर रहा है उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के प्रयासों की बदौलत स्वास्थ्य सुविधाओं का हब रीवा बन रहा है,कांग्रेस लंबे समय सत्ता में रही परंतु रीवा में जिला चिकित्सालय नहीं बना सकी,उपमुख्यमंत्री ने जिला चिकित्सालय बनाया,सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल लाया जिसमें किडनी ट्रांसप्लांट से लेकर अनेक गंभीर बीमारियों का इलाज हो रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में आधुनिकीकरण से लेकर छात्रों के अध्ययन के लिए हर व्यवस्था में गुणात्मक वृद्धि हुई है। एमबीबीएस प्रथम वर्ष मे 60 से बढ़कर 200 सीट की गई,1550 बिस्तरों की क्षमता वृद्धि की गई,विंध्य क्षेत्र और आसपास उत्तर प्रदेश की जनता चिकित्सा के लिए रीवा आ रही है,ऐसे में रीवा की स्वास्थ्य व्यवस्था को बदनाम करने का काम कांग्रेस कर रही है परंतु रीवा की जनता उनके अरमान कभी सफल नहीं होने देगी रीवा विकास की उड़ान भरता रहेगा।

निलंबन और तबादला नहीं, बर्खास्तगी व एफआईआर करेंः अजय खरे

रीवा, नगर संवाददाता।

स्थानीय संजय गांधी अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्था एवं भ्रष्टाचार के चलते कल्पना मिश्रा और उसके नवजात शिशु की संदिग्धावस्था में हुई मौत मामले को लेकर स्थानीय सिरमौर चौराहा में मृतका के पिता राम शरण मिश्रा के द्वारा पांच दिन से जारी अनशन धरना कार्यक्रम के समर्थन में समता सम्पर्क अभियान, नारी चेतना मंच, विंध्यांचल जन आंदोलन एवं समाजवादी कार्यकर्ता समूह की ओर से लोकतंत्र सेनानी अजय खरे, श्रवण प्रसाद नामदेव, मीरा पटेल, डॉ सुरेंद्र कुमार मिश्रा, अजय शर्मा, गफूर खान, शेषमणि शुक्ला,अशोक सोनी, डॉ श्रद्धा सिंह दुर्गा साकेत आदि ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर सक्रिय भागीदारी निभाई। जनसंगठनों के नेता लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि कल्पना मिश्रा (जच्चा बच्चा) की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के 12 वें दिन भी मरणोपरांत न्याय नहीं मिल पाया है। मृतका के अनशनकारी वृद्ध पिता के स्वास्थ्य में तेजी से गिरावट देखने को मिल रही है। मामले में न्याय की जगह लीपा-पोती का गंदा खेल शुरू है। कल्पना के अनशनरत पिता रामचरण मिश्रा चाहते हैं कि स्वास्थ्य व्यवस्था में बड़ा बदलाव और दोषी चिकित्सकों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए ताकि जो कुछ ग़लत हुआ वह भविष्य में दोहराया ना जा सके। विषम परिस्थितियों एवं भारी दबाव के बावजूद सरकार के द्वारा दी जाने वाली 200000 रुपए मुआवजे राशि और अन्य लाभ को ठुकराकर एक दुखी पिता ने न्याय की लड़ाई को मजबूत बनाया है। लोकतंत्र सेनानी श्री खरे ने कहा मामले से संबंधित चिकित्सकों के खिलाफ अभी तक एफआईआर का नहीं होना, सीबीआई जांच की जगह मजिस्ट्रेट जांच की घोषणा मामले की लीपापोती है।

रामबाग में श्रद्धा हॉस्पिटल का शुभारंभ

- अब क्षेत्रवासियों को स्थानीय स्तर पर मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा जिले की जवा तहसील अंतर्गत रामबाग क्षेत्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में बड़ी सौगात सामने आई है। रामबाग बाजार के डभौरा रोड पर श्रद्धा हॉस्पिटल का भव्य शुभारंभ किया गया। हॉस्पिटल के संचालन में आने से रामबाग सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं अब स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। अब तक क्षेत्र के लोगों को बेहतर इलाज और विभिन्न प्रकार की जांचों के लिए रीवा एवं प्रयागराज जैसे बड़े शहरों का रुख

करना पड़ता था। श्रद्धा हॉस्पिटल के शुरू होने के बाद लोगों को अपने क्षेत्र में ही चिकित्सा सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है, जिससे समय और आने-जाने की परेशानी से भी राहत मिल सकेगी।

एक ही स्थान पर मिलेंगी कई सुविधाएं

श्रद्धा हॉस्पिटल में मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, डिजिटल पैथोलॉजी सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर एम्बुलेंस सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। हॉस्पिटल के शुभारंभ को लेकर क्षेत्र के लोगों में उत्साह देखने को मिला। स्थानीय लोगों का कहना है कि रामबाग जैसे ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की स्वास्थ्य सुविधा का शुरू होना महत्वपूर्ण कदम है। इससे आसपास के गांवों के मरीजों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा बढ़ावा

श्रद्धा हॉस्पिटल के संचालन से रामबाग और आसपास के ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है। खासकर तत्काल चिकित्सा परामर्श और आवश्यक जांचों की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने से मरीजों को काफी सहूलियत मिलेगी। क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई है कि हॉस्पिटल में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध रहेंगी और आने वाले समय में यहां स्वास्थ्य सुविधाओं का और विस्तार किया जाएगा।

गुढ़ क्षेत्र के अतिवृष्टि प्रभावित इलाकों का राजेन्द्र मिश्र ने किया दौरा, सुनी वेदनाएं

रीवा, नगर संवाददाता।

गुढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेन्द्र मिश्र गुढ़ क्षेत्र में हुए अतिवृष्टि के बाद प्रभावित लोगों से मुलाकात करने पहुंचे। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश के बाद पानी जैसे ही निकला, मुझे गुढ़ क्षेत्र के कुछ ग्रामों का, जहां कि सूचना अतिवृष्टि के कारण घर गिरने की थी, वहां जाने का अवसर मिला। ग्राम बदवार में लोलर कोल बदवार,सूर्यमणि कुशवाहा पिता सरमन कुशवाहा बरसैता का घर,अंबिका पटेल ग्राम बदवार, शंभू कुशवाहा ग्राम बरसैता, नागेन्द्र मिश्र ग्राम बरसैता, बाबूलाल प्रजापति बांधी, भगमनिया कोल पति केवा ग्राम इटार पहाड़, गणेश कोल ग्राम इटार पहाड़, द्विजी पांडेय ग्राम बांधी,रामसखा द्विवेदी बांधी, रामायण द्विवेदी बांधी,विजय शंकर द्विवेदी और गणेश कोल इटार पहाड़,सर्वेश मिश्र, ग्राम बरसैता का अतिवृष्टि में घर गिर गया। अभी तक उनकी कोई खोज खबर करने कोई शासकीय अमला नहीं पहुंचा। राजेन्द्र मिश्र ने कहा कि शासन प्रशासन से हमारी मांग है कि उनकी शुधि शीघ्र ली जाए, और इन्हें तुरंत राहत राशि प्रदान की जाए। श्री मिश्र ने कहा कि अगर हफ्ते भर के भीतर इनका सर्व नहीं कराया गया तो कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन की राह अख्तियार करेगी।

बस हादसे में मृत हुए राममणि को दी श्रद्धांजलि

श्री मिश्र ने बताया कि बदवार मोड पर हुए एक्सीडेंट में जहां अनेक लोगों की मौत हुई है, उन्हीं में से गुढ़ निर्वाचन क्षेत्र के राम मणि कोल उढ़ से 2 मिनट अगर और उसको मिल गया होता, तो संभवत वह बस से नीचे उतर गया होता, लेकिन मृत्यु का संदेश जब आता है वह कहां किसी का इंतजार करता है, उसके पुत्र से मिलने उनके घर गया और अपनी गहरी संवेदना प्रकट कर ढांढस बंधाने का प्रयास किया। दुःख की घड़ी में उनके साथ सेक्टर प्रभारी संजीव द्विवेदी, पूर्व सरपंच अच्छेलाल वर्मा इटार पहाड़,केके द्विवेदी बांधी ,भोले कोल ईटार पहाड़ और भिन्न-भिन्न गांव के लोग मौजूद रहे।

सरस्वती निरालानगर में धूमधाम से मना शिक्षक दिवस

- आचार्यों एवं दीदियों का हुआ सम्मान

रीवा, नगर संवाददाता।

सरस्वती शिशु मंदिर,उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निरालानगर, रीवा के दुर्गा शंकर अवस्थी सभागार में 05 सितम्बर 2026 को अपरान्ह 02 बजे से शिक्षक दिवस का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके उपरांत उपस्थित सभी जनों द्वारा ब्रम्हनाद किया गया। इसके पश्चात् विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र कुमार तिवारी ने

मंचासीन मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आचार्य रमाकांत तिवारी, व्यवस्थापक राजेंद्र सिंह बघेल एवं प्रबंध समिति सदस्य सोमेश अवस्थी का परिचय कराया तद्पश्चात रमाकांत का व्यवस्थापक द्वारा शाल श्रीफल तथा 111000 रूपये का चेक भेंटकर सम्मानित किया।समारोह को संबोधित करते हुए व्यवस्थापक राजेंद्र सिंह बघेल ने अपने उद्बोधन में शिक्षा के महत्व और गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रकाश डाला। वहीं मुख्य अतिथि रमाकांत तिवारी ने अपने प्रेरक प्रबोधन से सभी का मार्गदर्शन किया और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया।

तालाब में नहाने गए युवक की डूबने से मौत, घंटों मशक्कत के बाद मिला शव

- पनवार थाना के देवरी गांव की घटना

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा जिले के पनवार थाना अंतर्गत ग्राम देवरी में उस समय मातम पसर गया, जब तालाब में नहाने गए एक 22 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार विपिन कोल पिता रामश्रय कोल, उम्र 22 वर्ष, निवासी देवरी दोपहर के समय देवरी के काटी के पास स्थित तालाब में नहाने गया था। नहाते समय अचानक वह गहरे

पानी में चला गया और देखते ही देखते तालाब में डूब गया। बताया गया कि तालाब के पास गांव के कुछ लोग मौजूद थे। युवक के डूबने की जानकारी होने पर उन्होंने तत्काल उसके परिजनों को सूचना दी। इसके बाद ग्रामीणों ने अपने स्तर पर तालाब में युवक की तलाश शुरू की, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद उसका पता नहीं चल सका। घटना की सूचना पनवार पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पनवार थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से तालाब में युवक की तलाश शुरू कराई। घंटों की मशक्कत के बाद युवक का शव तालाब से बाहर निकाला जा सका। युवक का शव मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जवा भेज दिया है। फिलहाल पनवार पुलिस द्वारा मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बारिश में घुटनों तक कीचड़ से गुजरते हैं ग्रामीण

आजादी के 80 साल बाद भी सड़क को तरस रहा गोदरी-6

रीवा, नगर संवाददाता।

विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच ग्राम पंचायत गोदरी-10 के ग्राम गोदरी-6 की तस्वीर सरकारी दावों पर सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि देश को आजाद हुए करीब 80 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन उनका गांव आज भी एक अदद पक्की सड़क के लिए तरस रहा है। बारिश शुरू होते ही गांव का रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है और ग्रामीणों को घुटनों तक कीचड़ के बीच से होकर आवागमन करना पड़ता है।

बारिश आते ही गांव बन जाता है कीचड़ का दलदल

ग्रामीणों के मुताबिक गांव की आबादी करीब 500 से 600 लोगों की है। लेकिन बरसात के मौसम में यहां रहने वाले लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ जाती हैं। रास्ते पर जगह-जगह कीचड़ और पानी जमा होने से पैदल निकलना तक मुश्किल हो जाता है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार लोगों को उठानी पड़ती है। बच्चों को पढ़ाई के लिए घर से निकलते समय यह तक सोचना पड़ता है कि वे कीचड़ भरे रास्ते से सुरक्षित स्कूल पहुंच पाएंगे या नहीं।

जरा सी बारिश और थम जाता है गांव का आवागमन

ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दिनों में गांव की स्थिति ऐसी हो जाती है कि सामान्य आवागमन भी किसी चुनौती से कम नहीं रहता। कीचड़ में पैर फिसलने का खतरा बना रहता है। यदि किसी ग्रामीण की तबीयत बिगड़ जाए या किसी गर्भवती महिला अथवा बुजुर्ग को तत्काल अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़े, तो परेशानी और बढ़ जाती है। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि जब देश आधुनिक विकास और बेहतर सड़कों की बात कर रहा है, तब गोदरी-6 के लोगों को आज भी बारिश में कीचड़ से होकर क्यों गुजरना पड़ रहा है?

गोदरी- 10 को निर्मल पंचायत, जमीन पर बदहाली का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत गोदरी 10 को निर्मल पंचायत की श्रेणी में शामिल किया गया है, लेकिन गांव की जमीनी तस्वीर अलग कहानी बयां करती है। ग्रामीणों के अनुसार सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ हर जरूरतमंद तक नहीं पहुंच पाया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि योजनाओं और विकास कार्यों का सही तरीके से क्रियान्वयन हुआ होता तो आज उन्हें मूलभूत सड़क सुविधा के लिए इस तरह संघर्ष नहीं करना पड़ता।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांगा स्थायी समाधान

ग्रामीणों का कहना है कि समस्या नई नहीं है। लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अभी तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है। अब ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव की वास्तविक स्थिति का मौके पर निरीक्षण कराने और जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब लेने की मांग की है। समस्त ग्रामवासियों ने कलेक्टर महोदय जी से मांग की है कि ग्राम गोदरी-6 की जमीनी स्थिति की जांच कराकर सड़क निर्माण की दिशा में तत्काल कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें आश्वासन नहीं, बल्कि ऐसा स्थायी रास्ता चाहिए जिससे बरसात के दिनों में बच्चों की पढ़ाई, मरीजों का इलाज और आम लोगों का आवागमन बाधित न हो।

सवाल सिर्फ सड़क का नहीं, बुनियादी अधिकार का है

गोदरी-6 के ग्रामीणों की परेशानी सिर्फ कीचड़ भरे रास्ते तक सीमित नहीं है। यह सवाल इस बात का भी है कि आजादी के 80 साल बाद भी क्या किसी गांव के लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन के लिए संघर्ष करना पड़ना चाहिए?

कल्पना की मौत महज एक घटना नहीं स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा सवालः इंजी.दीपक

रीवा, नगर संवाददाता।

संजय गांधी अस्पताल में कल्पना मिश्रा की मौत के मामले में उनके पिता द्वारा सिरमौर चौराहे, रीवा में पिछले पांच दिनों से किए जा रहे आमरण अनशन एवं अनिश्चितकालीन धरने को आम आदमी पार्टी के नेता एवं पूर्व महापौर प्रत्याशी इंजीनियर दीपक सिंह ने समर्थन दिया। धरना स्थल पर पहुंचकर इंजीनियर दीपक सिंह ने कहा कि कल्पना मिश्रा की मौत को केवल एक परिवार की त्रासदी मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। यह घटना रीवा की स्वास्थ्य व्यवस्था और सरकारी अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा एवं उपचार व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि संजय गांधी अस्पताल में लगातार सामने आ रही घटनाओं से आम लोगों के बीच चिंता और आक्रोश बढ़ रहा है। इंजीनियर दीपक ने कहा कि आज केवल कल्पना मिश्रा की मौत नहीं हुई है, बल्कि उस व्यवस्था पर सवाल खड़ा हुआ है जिस पर रीवा और आसपास के हजारों लोग अपने इलाज के लिए भरोसा करते हैं। उन्होंने अस्पताल में कथित

लापरवाही और अव्यवस्थाओं की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने हाल में सामने आई उस घटना का भी उल्लेख किया, जिसमें एक व्यक्ति को मृत घोषित किए जाने के बाद उसके जीवित होने की बात सामने आने का दावा किया गया। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी घटनाएं सही हैं तो यह बेहद गंभीर विषय है और सरकार को तत्काल पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। इंजीनियर दीपक सिंह ने शासन प्रशासन के सम्मुख कई मांगे रखी जिनमें कल्पना मिश्रा की मौत के मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच,जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध एफआईआर एवं कठोर कार्रवाई,संजय गांधी अस्पताल की व्यवस्थाओं एवं मरीजों की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा,लगातार सामने आ रही स्वास्थ्य संबंधी घटनाओं की जिम्मेदारी तय की जाए,पीड़ित परिवार की मांगों पर सरकार तत्काल सकारात्मक निर्णय ले। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट राजीव सिंह शेरा एवं पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

चुनाव आयोग चुप क्यों?

एक बार फिर चुनाव आयोग और एसआईआर सवालों और विवादों में हैं। देश की राजधानी दिल्ली में करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के राज्य महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। फिलहाल ड्राफ्ट सूची जारी हुई है। अभी लोगों के पास वक्त है कि वे आपत्ति और दावे दर्ज करा सकते हैं और मताधिकार के मौलिक अधिकार की रक्षा कर सकते हैं। दिल्ली में कुल मतदाता 1.45 करोड़ से अधिक थे, जिनमें से अब 97.53 लाख से कुछ अधिक ही नई सूची में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली के तुगलकाबाद में 47.85 फीसदी मतदाताओं के नाम पर 'लाल लाइन' फेर दी गई है। ओखला, बदरपुर, कस्तूरबा नगर में भी 40-45 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। राजधानी दिल्ली कोई सीमावर्ती क्षेत्र नहीं है, लिहाजा बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों की संभावनाएं नगण्य हैं। जो बंगाली लोग दिल्ली में बसे हैं और वहां निरंतर काम कर रहे हैं, वे लंबे समय से दिल्ली में ही हैं। उनके मतदाता पहचान-पत्र भी बने हुए हैं और वे चुनावों में मतदान करते रहे हैं।

दिल्ली में फरवरी-मार्च 2025 में विधानसभा चुनाव हुए थे, संभवत: उन्होंने भी मतदान किया होगा, जिनके नाम अब एसआईआर में काट दिए गए हैं। जिन इलाकों में 40-47.8 फीसदी तक वोटर सूची से बाहर कर दिए गए हैं, वे भी विधानसभा क्षेत्र हैं, जाहिर है कि वहां भी वोट दिए गए होंगे और विधायक भी चुने गए हैं। क्या वे सभी 'फर्जी' जन-प्रतिनिधि हैं? इसका जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। उसने कुछ वर्गीकरण स्पष्ट किए भी हैं, लेकिन वे पर्याप्त और स्पष्ट नहीं हैं। काम या नौकरी के लिए कोई भी व्यक्ति बाहर जा सकता है। क्या उसकी अनुपस्थिति दिखा कर उसका मताधिकार छीना जा सकता है? महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव नवंबर, 2024 में हुए हैं। वहां करीब 9.78 करोड़ मतदाताओं ने विधानसभा के लिए मताधिकार का प्रयोग किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 9 करोड़ से अधिक मतदाता थे, लेकिन अब एसआईआर के बाद ड्राफ्ट सूची में 7.71 करोड़ मतदाताओं के ही नाम दर्ज किए गए हैं। अर्थात 2.07 करोड़ मतदाता, किसी भी कारण से, 'फर्जी' करार दे दिए गए हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र की घटनाएं, मताधिकार छीनने की कवायद, कोई सामान्य बात नहीं है। बेशक संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को मतदाता सूची के अधीक्षण, निर्देशन, नियंत्रण का अधिकार दिया गया है, तो अनुच्छेद 326 में प्रत्येक वयस्क भारतीय नागरिक को मताधिकार का मौलिक अधिकार भी प्राप्त है। उसे चुनाव आयोग कैसे छीन सकता है?

एसआईआर की अभी तक कवायद में 6 करोड़ से अधिक मतदाताओं का मौलिक अधिकार छिन चुका है। सरकार की तो आंखें मिची हैं, क्योंकि उसकी पार्टी चुनाव-दर-चुनाव जीत रही है। कमोबेश सर्वोच्च अदालत तो निर्णायक हस्तक्षेप करे और नागरिकों को इस 'संवैधानिक आघात' से बचाए। यहां पश्चिम बंगाल का उल्लेख करना भी प्रासंगिक है। वहां कुल 91 फीसदी मतदाता सही पाए गए, जिनके नाम काट दिए गए थे, लेकिन विडंबना है कि करीब 7 लाख लोगों ने ही आपत्तियां और अपने दावे दर्ज कराए हैं। शेष 20 लाख कथित मतदाता कौन हैं, वे कहां हैं, आपत्तियां दर्ज क्यों नहीं कराईं? गंभीर सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग इतना खुदमुख्तार है कि 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दे और यह देश के सामने स्पष्ट न हो कि इतने व्यापक स्तर पर संवैधानिक मताधिकार क्यों छीन लिए गए? बिंदुवार जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। विपक्ष की कई पार्टियां इस मसले पर सवाल उठा रही हैं। लोकतंत्र में बेहतर यही होता है कि विपक्ष की आवाज को भी सुना जाए।

एआई युग में नौकरी मिलने-खोने के यक्ष प्रश्न

डॉ. शशांक द्विवेदी
परियोजना प्रबंधक
टीएसएससी

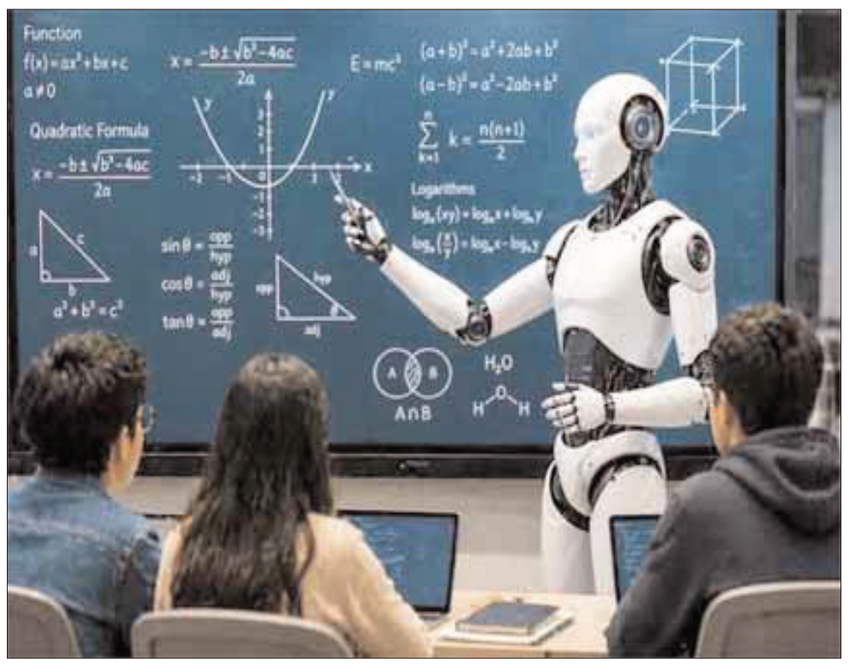

एआई को लेकर में सबसे बड़ा डर यही रहा है कि मशीनें इंसानों की नौकरियां छीन लेंगी। चैटबॉट से लेकर जनरेटिव एआई तक, तकनीक जिस तेजी से विकसित हुई है, उसने इस आशंका को और गहरा किया है। वैश्विक वित्तीय संस्था नोमुरा की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2022 से अगस्त, 2026 के बीच भारत में एआई से संबंधित करीब 83,100 नौकरियां पैदा हुईं, जबकि एआई से जुड़ी 31,921 नौकरियां छंटनी या कर्मचारियों की कमी के रूप में प्रभावित हुईं। अर्थात, हर एक प्रभावित नौकरी के मुकाबले लगभग 2.6 नई एआई-संबंधित नौकरियां बनीं। मगर यह निष्कर्ष निकालना खतरनाक होगा कि एआई रोजगार की समस्या समाप्त कर रहा है। एआई नई नौकरियां जरूर बना रहा है, लेकिन जरूरी नहीं कि जिन लोगों की पुरानी नौकरियां जा रही हैं, वही लोग नई नौकरियों में प्रवेश कर पा रहे हों। यही भारत के सामने उभरती सबसे बड़ी रोजगार चुनौती है। नोमुरा के अनुसार, भारत में एआई अपनाने से एक 'दो-स्तरीय रोजगार बाजार' उभर रहा है। एक तरफ अनुभवी कर्मचारियों की मांग बनी हुई है, वहीं दूसरी तरफ फ्रेशर्स के लिए अवसर अपेक्षाकृत कम हो रहे हैं। भारतीय आईटी क्षेत्र की 651 कंपनियों पर किए गए आईसीआरआईईआर के सर्वेक्षण में 55 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि उनकी एंट्री-लेवल भर्ती में कमी आई है। इसके मुकाबले मिड-लेवल भर्ती में कमी बताने वाली कंपनियों का अनुपात 25 प्रतिशत और वरिष्ठ स्तर पर केवल 14 प्रतिशत था।

भारत की आर्थिक ताकत का एक बड़ा आधार हर वर्ष कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से निकलने वाली विशाल युवा आबादी है। यदि कंपनियां पहले की तरह बड़ी संख्या में फ्रेशर्स को नियुक्त नहीं करतीं तो समस्या केवल बेरोजगारी की नहीं होगी, बल्कि 'करिअर की पहली सीढ़ी' के कमजोर पड़ने की होगी। दरअसल, पारंपरिक कॉर्पोरेट व्यवस्था में एक युवा कर्मचारी सामान्य काम से शुरुआत करता था। वह डेटा तैयार करता था, रिपोर्ट बनाता था, बेसिक कोड लिखता था, गुणवत्ता जांच करता था, ग्राहक सेवा संभालता था और धीरे-धीरे अनुभव हासिल करके जिम्मेदार पदों तक पहुंचता था। एआई इन शुरुआती कार्यों का एक बड़ा हिस्सा तेजी से करने लगा है।

नोमुरा ने स्टाफिंग फर्म स्फेनो के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि भारतीय आईटी कंपनियों की नेट हायरिंग वित्त वर्ष 2021-22 में लगभग छह लाख थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में घटकर करीब 1.40 लाख रह गई। कंपनियां बड़े पैमाने पर कैंपस भर्ती करने के बजाय कम, लेकिन कुशल कर्मियों को प्राथमिकता दे रही हैं। यहां एआई को अकेला दोषी मानना भी उचित नहीं होगा। वैश्विक मांग, आईटी उद्योग का पुनर्गठन, लागत नियंत्रण और ऑटोमेशन जैसे कई कारक इस बदलाव के पीछे हैं। लेकिन एआई ने इस परिवर्तन की गति निश्चित रूप से बढ़ा दी है।

लेकिन अगर एआई नई नौकरियां बना रहा है तो वे नौकरियां किसके लिए हैं? एआई मॉडल विकसित करने वाले इंजीनियर, डेटा विशेषज्ञ, मशीन लर्निंग विशेषज्ञ, एआई ट्रेनर, डेटा एनोटेटर, भाषा विशेषज्ञ, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एआई सिस्टम को व्यवसाय से जोड़ने वाले पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। नोमुरा के एशियाई अध्ययन में एआई से संबंधित नई नौकरियों का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा टेक्नोलॉजी क्षेत्र में केंद्रित था। इसका अर्थ यह है कि भारत के सामने अब केवल 'कितनी नौकरियां?' का सवाल नहीं है। महत्वपूर्ण प्रश्न है-'किस कौशल वाली कितनी नौकरियां?'

आने वाले वर्षों में एआई का असली मुकाबला उन कर्मचारियों के बीच होगा जो एआई का इस्तेमाल करना जानते हैं और उन कर्मचारियों के बीच जो इसे केवल अपने रोजगार के लिए खतरा मानते हैं। एक अकाउंटेंट जो एआई आधारित विश्लेषण, ऑटोमेशन और डेटा टूल का उपयोग कर सकता है, उसकी उपयोगिता उस अकाउंटेंट से अधिक हो सकती है जो केवल पारंपरिक तरीके से काम करता है। इसी तरह एक पत्रकार जो शोध, डेटा विश्लेषण और प्रारंभिक ड्राफ्टिंग के लिए एआई का प्रभावी इस्तेमाल कर सकता है, वह तकनीक से प्रतिस्थापित होने के बजाय तकनीक की उत्पादकता बढ़ाने वाला पेशेवर बन सकता है। इसलिए भारत को 'एआई के साथ रोजगार' की रणनीति बनानी होगी।

नि:संदेह, एआई युग में रोजगार का स्वरूप बदलने जा रहा है। संभव है कि भविष्य में एक कर्मचारी वही काम करे जो आज तीन लोग करते हैं, लेकिन साथ ही ऐसे नए काम भी पैदा हों जिनकी आज कल्पना तक नहीं की गई है। आज देश के पास विशाल युवा आबादी, मजबूत आईटी उद्योग, अंग्रेजी सहित अनेक भाषाओं की क्षमता और दुनिया के लिए डिजिटल सेवाएं देने का अनुभव है। यदि इन ताकतों को एआई कौशल के साथ जोड़ा जाए तो भारत एआई-आधारित रोजगार का वैश्विक केंद्र बन सकता है।

कायम है प्याज का जलवा और रौब

आलोक पुराणिक

ये हेडलाइंस शाश्वत हैं, एक नियमित अंतराल के बाद फिर-फिर आती रहती हैं। प्याज फिर महंगा हुआ, कब शादी करेंगे सलमान खान, पाकिस्तान पर फिर आर्मी का कब्जा।

देश में प्याज फिर महंगा हो गया है। रसोई की सबसे मामूली सब्जी गाहे-बगाहे सबसे बड़ी हेडलाइन बन जाती है, और सरकारें बदल जाती हैं, पर प्याज का रौब कभी कम नहीं होता। प्याज की खासियत यह है कि इसके भाव बढ़ने पर आंसू सिर्फ काटने से नहीं, बाजार से भी आते हैं। हर बार जब प्याज सौ के पार जाता है, अर्थशास्त्री मंडी की सप्लाई-चेन समझाते हैं, नेता किसानों को कोसते हैं, किसान मौसम को कोसते हैं, और गृहिणी सबको कोसती है। यानी प्याज वह इकलौती चीज है जिसकी महंगाई पर पूरा देश एकमत हो जाता है।

उधर, पाक में इमरान खान का हाल किसी सस्पेंस थ्रिलर से कम नहीं। कभी जेल तो कभी अस्पताल से खबर आती है। आम आदमी हकीकत नहीं समझता है। हर हफ्ते नई कहानी, कभी तबीयत बिगड़ने की, कभी मुलाकात न होने देने की। मगर सच सबसे आखिर में पहुंचता है, अफवाहें पहले पहुंच जाती हैं। इमरान खान का जेल-अस्पताल के बीच का यह सफर पाकिस्तानी राजनीति का वह स्थायी भाव बन चुका है। जिसमें नेता कभी सत्ता की कुर्सी पर, कभी जेल की कोठरी में दिखता है।

इधर अमेरिका में ट्रंप साहब का ईरान को लेकर पुराना फ्रस्ट्रेशन एक बार फिर उभर आया है। ईरान अमेरिका की हर धमकी को पहले सुनता है, फिर मुस्कुराकर अपनी राह पर चलता रहता है। ट्रंप को शायद यही सबसे ज्यादा नागवार गुजरता है। अमेरिका जैसी महाशक्ति के लिए ईरान जैसा किरदार पचाना मुश्किल होता है, जो न धमकी से डरता है, न तारीफ से पिघलता है।

तीनों कहानियों में एक अजीब समानता है-प्याज अपनी मर्जी से महंगा होता है, इमरान अपनी मर्जी से चल रहे हैं पाक सेना की नहीं सुन रहे, और ईरान अपनी मर्जी से अमेरिका को नज़रअंदाज़ करता है। यानी दुनिया में जो चीज सबसे कम बची है, वह है नियंत्रण-न सरकारों का प्याज पर, न पाकिस्तानी संस्थाओं का अपने पूर्व प्रधानमंत्री पर, न अमेरिका का ईरान की ज़िद पर। हर बड़ी ताकत यही सीखने से बचती है कि दुनिया रिमोट कंट्रोल से नहीं चलती, बस कंट्रोल का भ्रम बेचा जा सकता है, और भ्रम बेचने का काम फिलहाल दुनिया भर में जोरों पर है। मगर तीनों मामलों में चैनलों की भूमिका लगभग एक जैसी है। प्याज का भाव बढ़े तो चैनल मंडी पहुंच जाते हैं, इमरान की तबीयत बिगड़े तो अस्पताल के गेट पर कैमरे लगते हैं, ट्रंप गुस्सा दिखाएं तो हर हेडलाइन में 'तनाव चरम पर' लिख दिया जाता है। असल खबर कम, नाटकीयता ज्यादा बिकती है।

चंदे का लोकतंत्र: जेब आपकी, पुण्य हमारा

देव प्रकाश चौधरी

इन दिनों चंदा बहुत चर्चा में है। चंदा वैसे बड़ा सुंदर शब्द है। एक चंदा आसमान में होता है और दूसरा जमीन पर। आसमान वाला चंदा में चांदनी की ठंडक है और जमीन वाले चंदे में पैसे की गर्मी। आसमान वाला चंदा किसी से कुछ मांगता नहीं। वह चुपचाप निकलता है, अपनी रोशनी करता है और चला जाता है। कवि उसे देखकर कविता लिखते हैं और बच्चे उसे देखकर दूध-भात खाते हैं। लेकिन जमीन वाला चंदा बड़ा कर्मठ है। वह मौसम-बेमौसम आ पहुंचता है। कभी पर्ची लेकर, कभी रसीद लेकर, कभी मुस्कान लेकर और कभी ऐसी आत्मीयता लेकर कि आदमी अपनी जेब टटोलने से पहले अपना अपराधबोध टटोलने लगता है। चंदा मांगने वाला आदमी दरअसल आदमी नहीं रहता, संस्था हो जाता है। उसके हाथ में रसीद आते ही उसकी आवाज में संविधान का अधिकार और चेहरे पर पंचायत का आत्मविश्वास आ जाता है। वह आपको इस तरह देखता है, जैसे आपके पास पैसा नहीं, समाज का कोई अधूरा कर्तव्य रखा हुआ हो। हर शहर, हर कस्बे, यहां तक कि हर गांव में कुछ चंदा वीर लोग पाए जाते हैं। यह आपके इलाके की आबादी पर निर्भर करता है कि वहां कितने चंदा वीर होंगे। हालांकि चंदा मांगना एक कला है। गुणीजन कहते हैं कि चंदा मांगने की कला में सबसे जरूरी है कि आप मांगते हुए ऐसे दिखें, जैसे सामने वाला दे नहीं रहा, बल्कि आपको देने का सौभाग्य प्राप्त कर रहा है और आप कह रहे हैं, आपका सहयोग इस पुण्य कार्य को नई ऊंचाई देगा। चंदा पर जब भी चर्चा होती है, मुझे अपने गांव मोतिया के महान चंदा वीर गुजरी गुरु याद आते हैं। चंदा मांगने की कला के पुरोधा। अपनी सक्रिय जिंदगी के सात दशक में शायद ही कोई ऐसा काम हो, जिसके लिए उन्होंने चंदा न जुटाया हो। कुछ दिन पहले जब चारो तरफ चंदे का शोर कुछ ज्यादा ही था, तब मैंने फोन पर उनसे पूछा था कि एक अच्छा चंदा मांगने वाले में क्या-क्या गुण होने चाहिए? गुजरी गुरु सवाल सुनकर खुश हो गए और आजकल टीवी की खबरों में जैसे एक जुमला दूसरे जुमले पर चढ़ बैठता है, ठीक उसी तरह वे शुरू हो गए। गुजरी गुरु बोले- हर आदमी चंदा नहीं ले सकता। सबसे महत्वपूर्ण है, रकम बताने की कला। इतनी कम बताओ कि सामने वाला खुद कहे कि और कुछ रख लीजिए। यही असली सफलता है। पहुंचे हुए चंदा कर्ता कभी रकम नहीं बताते। वे सामने वाले की सामाजिक प्रतिष्ठा को धीरे-से याद दिलाते हैं, जैसे कि आप जैसे लोगों के सहयोग से ही तो यह काम चलता है। इस तरह के वाक्य सुनते ही आदमी अपनी जेब नहीं, अपना कद देखने लगता है और कद के हिसाब से चंदा निकाल देता है। असली कलाकार वही है, जो दो हजार मांगकर पांच हजार की रसीद कटवा दे और जाते-जाते दाता को यह विश्वास भी दिला दे कि उसने सिर्फ पांच हजार नहीं दिए, समाज की इज्जत बचाई है। सामने वाला समझ जाता है कि आयोजन ऐतिहासिक होने वाला है और इतिहास में उसका पैसा भी दर्ज होने वाला है। चंदे में सबसे बड़ी बात यह है कि यह कभी अपने को चंदा नहीं कहता। वह सहयोग है, योगदान है, समर्पण है, सहभागिता है, जनभागीदारी है। पैसा वही है, लेकिन उसके नाम बदलते रहते हैं। लेकिन गुजरी गुरु हिदायत भी देते हैं कि चंदे की अपनी नैतिकता होती है, जिससे चंदा लो, उससे कहो कि यह आपके ही कार्यक्रम के लिए है। यह हमारे देश की सबसे सफल आर्थिक व्यवस्था है। इसमें कोई असफल नहीं होता। इसका एक बड़ा फॉर्मूला भी है- कोई बात नहीं, जितना बन पड़े। यह 'जितना बन पड़े' भी बड़ा रहस्यमयी वाक्य है। इसमें पांच रुपये से लेकर पांच लाख तक की संभावनाएं छिपी रहती हैं। एक समय था, चंदा लेने वाले रसीद बुक लेकर आते थे। अब उनके पास मोबाइल है और वे कहते हैं, क्यूआर कोड स्कैन कर लीजिए।

डिजिटल श्रद्धा का दौर

श्रद्धा अब डिजिटल हो गई है। रसीद की जगह अब मैसेज आता है, आपका ट्रांजेक्शन सफल रहा। चंदा देने वाले को पहली बार मालूम पड़ता है कि वह भी सफल हो गया है। चंदे की एक बड़ी उपलब्धि यह भी है कि इसने सामाजिक संबंधों को भी मजबूत किया है। आपके मोहल्ले में जो आदमी पिछले एक साल से आपको नमस्ते नहीं करता था, वह चंदे के मौसम में आपके घर का रास्ता खोज लेता है, पहचाना नहीं? आप पहचान जाते हैं, अरे, आप! वह मुस्कुराता है। आप भी मुस्कुराते हैं। फिर वह अपने मोबाइल में क्यूआर कोड निकालता है। आपकी श्रद्धा स्कैन हो जाती है। आपकी मुस्कान थोड़ी कम हो जाती है। उसकी मुस्कान थोड़ी बढ़ जाती है। यहीं से समाज चलता है। चंदा विश्वास पर चलता है और जहां विश्वास होता है, वहां हिसाब अपने आप छोटा हो जाता है। चंदा हमारे समाज की उन संस्थाओं में है, जिनकी उपयोगिता पर कोई सवाल नहीं उठाता, क्योंकि सवाल उठाने वाले से अगली बार चंदा मांगा जा सकता है। वैसे चंदा लेने वालों की भी अपनी राजनीति होती है। किसके घर पहले जाना है, किसके यहां कितनी रकम मांगी जा सकती है, किससे पुराना हिसाब है और किससे भविष्य में काम पड़ सकता है, चंदे की सफलता के लिए इन सबका हिसाब अधिक महत्वपूर्ण होता है।

नए चंदा जीवियों को सीख

चंदे का एक और लाभ है। इससे स्थानीय नेतृत्व की पहचान होती है। जिसने सबसे अधिक चंदा दिया, उसे मंच पर आगे की कुर्सी मिलती है। जिसने उससे थोड़ा कम दिया, उसे पीछे की कुर्सी। जिसने कुछ नहीं दिया, वह कार्यक्रम में भीड़ के साथ खड़ा रहता है। इस व्यवस्था को लोकतंत्र कहा जा सकता है, इसलिए चंदा केवल किसी आयोजन का आर्थिक साधन नहीं, सामाजिक जीवन का एक महत्वपूर्ण बहाना भी है। चंदा देने वाले और लेने वाले के बीच एक मौन समझौता रहता है। देने वाला जानता है कि उसकी रकम पूरी तरह उसी काम में नहीं जाएगी, जिसके नाम पर ली गई है। लेने वाला जानता है कि देने वाला यह जानता है। फिर भी दोनों इस ज्ञान को सार्वजनिक नहीं करते। गुजरी गुरु नए चंदा जीवियों को एक सीख भी देते हैं, आकस्मिक व्यय के लिए एक अलग खाता बनाकर हमेशा जगह-जगह इस बात को दोहराना होता है कि पाई-पाई का हिसाब रखा जा रहा है। बस हिसाब देखने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। और जिसने इस हिसाब को साध लिया, वह चंदा कला का सफल कलाकार है। जिस दिन आप किसी कंजूस से चंदा लेकर लौट आएं और वह आपको धन्यवाद दे, समझिए आपने चंदा मांगना सीख लिया है और जिस दिन वही कंजूस अगली बार आपको दूर से देखकर रास्ता बदल ले, समझिए कि आप इस कला में निपुण हो चुके हैं।

कागजों की जांच-पड़ताल से बड़ा है मताधिकार

विवेक शर्मा

मतदाता सूची को सही रखना लोकतंत्र के लिए जरूरी है। मृत लोगों के नाम हटने चाहिए। जो लोग कहीं और चले गए हैं, उनका रिकॉर्ड ठीक होना चाहिए। एक व्यक्ति का नाम दो जगह दर्ज है तो उसे भी सुधारा जाना चाहिए। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सही और भरोसेमंद बनाना है। लेकिन इस काम के बीच आम मतदाता इतना न उलझ जाए कि उसे अपने ही मताधिकार को लेकर चिंता होने लगे।

हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और दिल्ली में एसआईआर को लेकर गहमागहमी है। सभी जगह इसकी प्रक्रिया एक साथ नहीं चल रही। पुराने मतदाता रिकॉर्ड का इस्तेमाल सत्यापन के लिए किया जा रहा है। दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ में 2002 की मतदाता सूची महत्वपूर्ण है, जबकि पंजाब में 2003 की सूची को आधार बनाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में यह प्रक्रिया बाद के चरण में होगी।

मुश्किल यह है कि 2002 या 2003 आज से करीब ढाई दशक पुरानी बात है। उस समय की हर जानकारी हर परिवार के पास सुरक्षित हो, यह जरूरी नहीं। इतने वर्षों में लोग घर और शहर बदल चुके हैं। कई परिवार दूसरे राज्यों में जाकर बस गए हैं। पुराने सरकारी रिकॉर्ड में नाम की वर्तनी, उम्र या पते में अंतर भी हो सकता है। ऐसे में पुराने और मौजूदा रिकॉर्ड का पूरी तरह मेल न खाना अपने आप में किसी मतदाता को गलत साबित नहीं करता।

दिल्ली में करीब 33 लाख मतदाताओं के रिकॉर्ड में विसंगतियां सामने आई हैं। इनमें करीब 14 लाख मतदाताओं का विवरण 2002 की एसआईआर सूची से नहीं जुड़ पाया, जबकि करीब 19 लाख मामलों में अन्य विसंगतियां मिली हैं। इनमें मौजूदा और पुराने रिकॉर्ड में नाम की वर्तनी अलग होने जैसे मामले भी शामिल हैं। इन मतदाताओं को अपनी पात्रता स्पष्ट करने का अवसर दिया जाएगा।

पंजाब के पूर्व राजनयिक नवदीप सूरी का मामला इस परेशानी को समझने का एक उदाहरण है। वर्ष 2003 में वह भारत में नहीं थे, बल्कि लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में तैनात थे। पंजाब में एसआईआर के दौरान उनका मौजूदा विवरण

2003 के पुराने मतदाता रिकॉर्ड से नहीं मिल पाया। उन्हें दस्तावेज प्रस्तुत करने का नोटिस मिला। हालांकि उनका नाम मतदाता सूची से हटाया नहीं गया था। बाद में यह मामला सुलझ गया। फिर भी सवाल महत्वपूर्ण है। जो व्यक्ति उस समय देश में ही नहीं था, उससे उस समय की मतदाता सूची में अपने नाम का मिलान कैसे कराया जाए? प्रक्रिया में ऐसी परिस्थितियों के लिए स्पष्ट और आसान रास्ता होना चाहिए।

यह परेशानी केवल किसी पूर्व राजनयिक की नहीं है। देश में लाखों लोग नौकरी, कारोबार या दूसरे कारणों से वर्षों तक एक जगह से दूसरी जगह जाते रहे हैं। कई परिवारों ने पुराने घर छोड़ दिए। कई लोग दूसरे राज्यों में बस गए। ऐसे में करीब 24 साल पुराने रिकॉर्ड को आज की पहचान से जोड़ना हमेशा आसान नहीं हो सकता।

सरकारी रिकॉर्ड में भी गलतियां हो सकती हैं। नाम की वर्तनी बदल सकती है। पते में अंतर हो सकता है। इसलिए जहां नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपनी जानकारी सही दे और जरूरत पड़ने पर उपलब्ध दस्तावेज प्रस्तुत करे, वहीं सरकारी तंत्र की जिम्मेदारी भी है कि वह अपने पास मौजूद रिकॉर्ड से तथ्यों की पुष्टि करे।

एसआईआर का विरोध करना समाधान नहीं है। साफ और सही मतदाता सूची हर चुनाव की पहली जरूरत है। लेकिन सही सूची बनाने का अर्थ यह भी है कि कोई पात्र मतदाता केवल इसलिए बाहर न रह जाए क्योंकि 2002 या 2003 के रिकॉर्ड में उसका नाम नहीं मिला या उसकी जानकारी में मामूली अंतर था। नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। अपना नाम मतदाता सूची में जांचना चाहिए। कोई गलती या कमी हो तो तय समय में दावा या आपत्ति दर्ज करनी चाहिए। लेकिन प्रशासन को भी यह प्रक्रिया इतनी सरल रखनी होगी कि आम आदमी उसे आसानी से समझ सके और पूरा कर सके। पुराने रिकॉर्ड की जानकारी न होने को केवल नागरिक की गलती मान लेना उचित नहीं होगा।

मतदाता सूची में एक गलत नाम रह जाना समस्या है, लेकिन एक सही मतदाता का नाम गलती से बाहर हो जाना उससे बड़ी समस्या है। इसलिए एसआईआर में दोनों के बीच संतुलन जरूरी है। जांच कड़ी हो, लेकिन तरीका मानवीय हो। दस्तावेज मांगे जाएं, लेकिन उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड की भी मदद ली जाए। लोकतंत्र में मतदाता किसी फाइल का एक नंबर नहीं है। वह उस व्यवस्था का केंद्र है। उसके वोट से सरकार बनती है और उसकी भागीदारी से लोकतंत्र मजबूत होता है। इसलिए मतदाता सूची को साफ करने की कोशिश में यह ध्यान रखना होगा कि कागजों की कमी या पुराने रिकॉर्ड की विसंगति के बीच असली मतदाता कहीं पीछे न छूट जाए।

एसआईआर की असली सफलता केवल नामों की छंटाई में नहीं, बल्कि इस भरोसे में होगी कि सही मतदाता का नाम सुरक्षित है। पुराने कागज जांच का आधार हो सकते हैं, लेकिन नागरिक का मताधिकार उनसे बड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

तेज बारिश में भी निकली प्रभात फेरी

ग्वालियर। माधव नगर तिघरा रोड गोल पहाड़िया में निकलने वाली नियमित संगीतमय प्रभात फेरी रविवार को तेज बारिश के बीच भी निकाली गई। रामभक्त प्रबल मनोबल के साथ रामधुन के साथ तेज बारिश में भी प्रभातफेरी के साथ गली-मोहल्लों में पहुंचे। रामनाम की गूंज के साथ प्रभात फेरी में रामभक्तों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। प्रभात फेरी में शामिल होने वाले रामभक्त छातों के साथ पहुंचे और इसके साथ ही ढोलक और मंजीरों की थाप के साथ राम नाम का आंनद प्राप्त कर रहे थे। प्रभात फेरी में प्रमुख रूप से उदयभान रजक, बेनी प्रसाद चौरसिया, सिंगाराम चौरसिया, शिवराम साहू, अजय राठौर, अंकित बाथम, पप्पू राठौर सहित मातृशक्ति भी शमिल थीं।

उन्नत खेती, उद्यानिकी व पशुपालन से बढ़ रही किसानों की आय

ग्वालियर। जिले में किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि, उद्यानिकी और पशुपालन क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले की 2.14 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि में परंपरागत फसलों के साथ फसल विविधीकरण, प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। खरीफ-2026 में 6759 हेक्टेयर में तिल की बोवनी हुई है। 25 क्लस्टरों में 3125 किसानों की 1250 हेक्टेयर भूमि पर प्राकृतिक खेती की जा रही है, जबकि 1799 किसानों की 2000 हेक्टेयर भूमि जैविक खेती के लिए पंजीकृत है। उर्वरक वितरण में 1,15,371 ई-टोकनों के माध्यम से 58,160 किसानों को 32,945 मीट्रिक टन खाद उपलब्ध कराई गई।

व्याप्ति उमड़ेकर के कविता संग्रह 'कस्तूरी' का लोकार्पण

'कस्तूरी' में शब्दों के साथ सवाल और समाधान भी : पराड़कर

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

साहित्य का सृजन लोकमंगल के लिए होना चाहिए। अच्छे साहित्य के लिए शब्दों का समृद्ध भंडार आवश्यक है। कवयित्री व्याप्ति उमड़ेकर के कविता संग्रह 'कस्तूरी' में शब्दों की समृद्धता के साथ प्रश्न भी हैं और उनके समाधान भी हैं। यह बात अखिल भारतीय साहित्य परिषद के संरक्षक श्रीधर पराड़कर ने रविवार को होटल सुखसागर में आयोजित 'कस्तूरी' के लोकार्पण समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन में कही।

साहित्य अकादमी मध्य प्रदेश, संस्कृति परिषद एवं संस्कृति विभाग द्वारा प्रथम कृति प्रकाशन के लिए चयनित व्याप्ति उमड़ेकर के कविता संग्रह 'कस्तूरी' का लोकार्पण मुख्य अतिथि आकाशवाणी ग्वालियर के कार्यक्रम अधिकारी सुमित गौतम, विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य क्षेत्र के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य यशवंत इंदापुरकर और माधव महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। सारस्वत अतिथि राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की

कुलगुरु डॉ. स्मिता सहस्त्रबुद्धे रहीं।

श्री पराड़कर ने दिल्ली में जेन-जी आंदोलन के दौरान गाली-गलौज को कुछ वरिष्ठजनों द्वारा समर्थन दिए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह भारतीय संस्कृति नहीं है। मुख्य अतिथि सुमित गौतम ने कहा कि दुनिया में सबसे ज्यादा खतरनाक यदि कुछ है तो वह विचार है। नकारात्मक विचार लाखों लोगों की जिंदगी तबाह कर सकता है। इसलिए सकारात्मक साहित्य और पुस्तकें लिखी जानी चाहिए। उन्होंने 'कस्तूरी' की सराहना करते हुए कहा कि निश्चित रूप से इसकी सुगंध पूरे भारत में व्याप्त होगी। यशवंत इंदापुरकर ने कहा कि व्याप्ति का यह साहित्य लोकव्याप्ति का साहित्य है। डॉ. शिवकुमार शर्मा ने कहा कि व्याप्ति उमड़ेकर की काव्य कृति उच्च भावों को दर्शाती है। डॉ. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने कृति की सराहना करते हुए इसे संगीतमय रूप में प्रस्तुत करने की बात कही और इसके लिए सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण विष्णु उमड़ेकर ने दिया। संचालन कादंबरी आर्य ने एवं आभार प्रतिभा उमड़ेकर ने व्यक्त किया।

'कस्तूरी' में झलकता है आत्मबोध

कविता संग्रह 'कस्तूरी' की समीक्षा करते हुए माधव महाविद्यालय की प्राध्यापक एवं हिंदी साहित्य सभा की साहित्य मंत्री डॉ. मंदाकिनी शर्मा और कवयित्री डॉ. करुणा सक्सेना ने कहा कि व्याप्ति उमड़ेकर की कृति में आत्मबोध स्पष्ट रूप से झलकता है। कृति में निराशा के बजाय संघर्ष की भावना है। 'कस्तूरी' इसी आंतरिक चेतना और जीवन-संघर्ष को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करती है।

भाजपा अध्यक्ष ने देर रात घोषित की सूची

भाजपा की कार्यकारिणी में 75 और स्थाई आमंत्रित में 70 नाम घोषित

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया ने पदाधिकारियों की घोषणा के बाद अब कार्यकारिणी और स्थाई आमंत्रित सदस्यों के नाम घोषित किए हैं। यह सूची रात एक बजे के बाद फेसबुक पर साझा की गई। कार्यकारिणी में 75 और स्थाई समिति में 70 लोगों को रखा गया है। इसके पहले उन्होंने अपनी कार्यकारिणी के 34 पदाधिकारियों के नाम 10 फरवरी 2026 को घोषित किए थे। पत्र में श्री राजोरिया ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी डॉ निशांत खरे एवं महानगर प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा के निर्देश और सहमति से नाम घोषित करने की जानकारी दी है।

कार्यकारिणी समिति

रेखा धोलाखंडी,देवेंद्र पवैया, आशुतोष माहेश्वरी, राजू सेठ, पप्पू बढ़ोरी, जगतसिंह कौरव, रामप्रकाश परमार, प्रतीक तिवारी, अमित जादौन, गिर्राज कंसाना,आलोक डंगस, व्यंजना मिश्रा, सुघर सिंह पवैया, अरुण कुलश्रेष्ठ, हंसराज तलरेजा, संतोष गोडयाले, सतीश बोहरे, धर्मेन्द्र राणा, शिवराम जाटव, सुनील श्रीवास्तव, धर्मेन्द्र कुशवाह, हेमलता बुधोलिया, शर्मिला कुशवाहा ,विद्या थोराट, हेमलता भदौरिया, किरणलता भदौरिया, नवीन परांडे, अरविंद रघुवंशी, महेंद्र सोलंकी, देवेंद्र कौरव, अनिल त्रिपाठी, अखिलेश शर्मा, प्रयाग तोमर, आकाश श्रीवास्तव,बृजमोहन शर्मा, रितु शेजवार, मधुलिका क्षीरसागर, नीरू सिंह ज्ञानी, मधु रामोऔतार शाक्य, अपर्णा पाटिल, सतीश साहू, हरिओम झा, रमाकांत महते, मनोज मुटाटकर, संतोष शर्मा, चेतन मण्डलोई, जयंत शर्मा, उमेश भदौरिया, सुभाष शर्मा, दिनेश शर्मा, शीतल अग्रवाल, ममता आर्य, शकुंतला परिहार, अड्डू सिकरवार, आशीष श्रीवास्तव, रामकुमार सोनी, अनिल आहूजा, आशीष मल्होत्रा, संतोष यादव, डॉ. मुकेश चतुर्वेदी, दिलीप सक्सेना, दीपक चौहान, राजीव गुप्ता, ललित नागपाल, राजू कुकरेजा, सोनू वाजपेई, अजय गुप्ता, महेश खत्री, कमल सिंह किरार, कृष्णा कुशवाह, अशोक साहू, जुगलकिशोर गुर्जर, अनिल सिसोदिया, प्रवीण बंटी गुर्जर एवं शफीक खान मामू।

स्थायी आमंत्रित सदस्य

नारायण सिंह कुशवाह, प्रद्युम्न सिंह तोमर, भारत सिंह कुशवाह, विवेक नारायण शेजवलकर, अनूप मिश्रा, माया सिंह, अभय चौधरी, वेदप्रकाश शर्मा, गंगाराम बघेल, देवेश शर्मा, कमल माखीजानी, अरविंद रुद्र, अशोक जादौन, मधुसूदन भदौरिया, अशोक शर्मा, रमेश अग्रवाल, मुन्नालाल गोयल, रामबरण गुर्जर,राकेश खुरासिया,नियाज मोहम्मद, मीना सचान, सुमन शर्मा, समीक्षा गुप्ता, जयसिंह कुशवाह, रविन्द्र राजपूत, विवेक जोशी, बृजेन्द्र प्रताप सिंह जादौन, राजेश सोलंकी, रामेश्वर भदौरिया, विनोद शर्मा, महेश उमरैया, प्रमोद खण्डेलवाल, सुरेन्द्र शर्मा, एड. जयप्रकाश मिश्रा, कन्हैयालाल आनंद, राकेश माहौर, डॉ. अरविंद राय, ओमप्रकाश शेखावत, मनोज तोमर, किशन मुदगल, आशीष प्रताप सिंह राठौड़, डॉ. नीतेश शर्मा, राजकुमार परमार, विनती शर्मा, राकेश जादौन,अशोक गेडा, अशोक जैन, राजेश दुबे,वेदप्रकाश शिवहरे, सुधीर गुप्ता, हरीश मेवाफरोश, उदयवीर सिंह गुर्जर, अजीत वरैया, मायाराम तोमर, डॉ. हरिमोहन पुरोहित, डॉ. श्रीप्रकाश लोहिया,धीर सिंह तोमर, निर्मल कोठारी, यशवर्धन जैन, बादशाह सिंह भदौरिया, दीपक शर्मा, पारस जैन, डॉ. राकेश रायजादा, सुशील वर्मा, जागेश्वर भदौरिया, महेश जयसवाल, रमेश सेन, मुरारी लाल मित्तल, मनमोहन पाठक एवं सी.पी. मिश्रा।

आयुर्वेद महाविद्यालय में 80 सीटों को मिली मंजूरी

ग्वालियर। आमखो स्थित शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश की तस्वीर अब स्पष्ट हो गई है। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआइएसएम), नई दिल्ली ने संस्थान को वर्ष 2026-27 के लिए बीएएमएस और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की मान्यता प्रदान कर दी है। आयोग की मंजूरी के बाद अब कुल 80 सीटों पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जा सकेगा। महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर बीएएमएस की 75 सीटें स्वीकृत की गई हैं। इसके अलावा स्नातकोत्तर स्तर पर एमडी (शरीर क्रिया) की पांच सीटों को भी मान्यता मिली है। इस तरह नए सत्र में आयुर्वेद चिकित्सा की पढ़ाई के लिए 80 विद्यार्थियों को प्रवेश का अवसर मिलेगा। प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित काउंसिलिंग के माध्यम से पूरी की जाएगी। फिलहाल महाविद्यालय प्रबंधन की ओर से काउंसिलिंग कार्यक्रम घोषित होने का इंतजार किया जा रहा है। कार्यक्रम जारी होने के बाद विद्यार्थियों को पंजीयन, विकल्प चयन और प्रवेश से जुड़ी अन्य प्रक्रियाओं की जानकारी मिल सकेगी।

सतत तकनीक व नवाचार से ही साकार होगा विकसित भारत

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

एमिटी विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान में सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड प्रोग्रेसिव साइंस फॉर विकसित भारत विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल के सहयोग से हुए सम्मेलन में देश-विदेश के 150 से अधिक विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने सतत तकनीक, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य नवाचार और प्रगतिशील विज्ञान पर विचार साझा किए। सम्मेलन में 100 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए तथा आईएसबीएन सहित कॉन्फ्रेंस पत्रिका का विमोचन हुआ।

कुलगुरु प्रो. (डॉ.) आर.एस. तोमर ने कहा कि विज्ञान, उन्नत तकनीक और नागरिक बोध के समन्वय से स्मार्ट व सतत विकास संभव है। प्रो चांसलर वी.के. शर्मा ने अक्षय ऊर्जा, जल संरक्षण और चक्रीय अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि स्वास्थ्य संगठन के राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तकनीकी सहायता नेटवर्क के सलाहकार डॉ. शैलेन्द्र सिंह तोमर ने स्वस्थ भारत को विकसित भारत की आधारशिला बताते हुए मातृ-शिशु स्वास्थ्य, कम लागत वाली चिकित्सा तकनीक और टीबी उन्मूलन में पोषण की भूमिका बताई। डेनमार्क से जुड़े डॉ. संजीत कुमार द्विवेदी ने हरित हाइड्रोजन उत्पादन में विद्युत इलेक्ट्रॉनिक्स की संभावनाएं बताईं। पोस्टर सत्र में शोधार्थियों ने विभिन्न विषयों पर शोध प्रस्तुत किए। समापन पर निदेशक प्रो. आलोक अग्रवाल ने सतत विकास, नवाचार और अंतरविषयी अनुसंधान को विकसित भारत की आधारशिला बताया।

'समाज में काम कर विश्वसनीयता बढ़ाएं'

वैश्य महासम्मेलन का संभागीय अधिवेशन आयोजित

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मप्र के पूर्व गृहमंत्री व वैश्य समाज के प्रमुख सामाजिक संगठन वैश्य महासम्मेलन के संरक्षक उमाशंकर गुप्ता ने कहा है कि संगठन में ही शक्ति है और वैश्य समाज को यह मूलमंत्र समझना होगा। श्री गुप्ता ने कहा कि हम लोगों को जोड़ने के लिए अपने अपने कार्यक्षेत्र से आगे आए और समाज के लिए काम करें। जब संगठन से लोग जुड़ेंगे तो उनमें संगठन के प्रति विश्वसनीयता बढ़ेगी और हमे इसी विश्वसनीयता को बनाये रखने एक दूसरे के लिए खड़ा होना होगा। श्री गुप्ता रविवार को मप्र चेंबर आफ कामर्स के सभागार में वैश्य महासम्मेलन के संभागीय अधिवेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज में हमारी कथनी करनी एक होगी तो समाज स्वयंमेव हमेशा जुड़ेगा, भाषणों से एकता नहीं आती समाज में काम करना होता हैं। इस मौके पर वैश्य महासम्मेलन की युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष विकास डागा ने कहा कि आप अपना महत्व समझें, हम संख्या बल अनुपात में ज्यादा है, लेकिन हमें राजनीति में अपेक्षाकृत मुकाम नहीं मिल पाया है। जब हम एक होंगे तब हमें कोई उपेक्षित नहीं कर सकेगा। इस मौके पर पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल ने समाज एकता की बात जोरदारी से रखी। प्रदेश महामंत्री अनिल जैन एवं राजेश जैन बंटी ने भी विचार व्यक्त किए। वैश्य महासम्मेलन में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। जिला अध्यक्ष अजय गोयल, विवेक गुप्ता, अनूप अग्रवाल, कपिल जैन, विनय अग्रवाल, कैलाश गर्ग, शशिभूषण सिंघल, अमित सेठी, योगेश गोयल, मयंक गर्ग, मुकेश जैन, गिरीश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल सन्नी, कैलाशचंद गर्ग, कमल गोयल, आशीष जैन, विवेक अग्रवाल, मुकेश सांघी,अनुराग गर्ग, ज्योति बंसल, समता जैन, साधना गुप्ता, दीपिका मित्तल, पिंकी बंसल, अंशु गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

रिटायर्ड स्टेशन मास्टर्स एसोसिएशन के अधिवेशन में एमएसीपी विसंगति का मुद्दा उठा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

ऑल इंडिया रिटायर्ड स्टेशन मास्टर्स एसोसिएशन का जोनल/मंडलीय अधिवेशन रविवार को सत्कार गेस्ट हाउस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद भारत सिंह कुशवाह और ऑल इंडिया रिटायर्ड स्टेशन मास्टर्स एसोसिएशन के केंद्रीय महासचिव टी. विजय कुमार रहे। अध्यक्षता जोनल अध्यक्ष डीके कुलश्रेष्ठ ने की।

अधिवेशन में केंद्रीय महासचिव टी. विजय कुमार ने स्टेशन मास्टर्स की लंबित मांगों और एमएसीपी (मॉडिफाइड एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन) की विसंगति को लेकर रेलवे बोर्ड स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सातवें वेतन आयोग के अनुसार स्टेशन मास्टर्स को एमएसीपी का लाभ 1 जनवरी 2016 से मिलना चाहिए था, लेकिन रेलवे बोर्ड द्वारा इसे फरवरी 2018 से दिए जाने की बात सामने आई है। उन्होंने इस विसंगति को दूर करने सहित अन्य लंबित मांगों पर भी चर्चा की। मुख्य अतिथि सांसद भारत सिंह कुशवाह ने एसोसिएशन के पदाधिकारियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को लेकर वे रेल मंत्री से व्यक्तिगत रूप से चर्चा करेंगे और समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

नए पदाधिकारियों का चयन

अधिवेशन के दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारियों के चुनाव भी कराए गए। इसमें पीके सिंह को जोनल अध्यक्ष, राजेश शुक्ला और पीपी चौबे को उपाध्यक्ष, संजय हयारण को महासचिव, अशोक गुप्ता को कोषाध्यक्ष तथा सुभाष वायगांवकर को ऑडिटर चुना गया। अधिवेशन में एनसीआर, डब्ल्यूसीआर, एनआर और एनडब्ल्यूआर सहित विभिन्न रेलवे जोन से आए पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए। इस दौरान संगठन की आगामी गतिविधियों, सेवानिवृत्त स्टेशन मास्टर्स की समस्याओं और लंबित मांगों को लेकर भी चर्चा की गई।

प्रतिभा सम्मान समारोह में 131 प्रतिभाएं सम्मानित

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

सेवानिवृत्त कर्मचारी किरार क्षत्रिय समिति द्वारा आयोजित द्वितीय प्रतिभा सम्मान समारोह गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। समारोह में शिक्षा, प्रशासनिक सेवा, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 131 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी आर.एस. धाकड़ ने कहा कि शिक्षा, प्रशासनिक सेवा और सामाजिक समरसता समाज की वास्तविक शक्ति हैं। विशिष्ट अतिथि हरगोविंद सिंह धाकड़, उपेंद्र सिंह यादव और डॉ. सुजीत सिंह ने भी युवाओं का मार्गदर्शन किया। अध्यक्षता समिति अध्यक्ष चित्र सिंह यादव ने की। उन्होंने युवाओं को राज्य एवं प्रशासनिक सेवाओं में आगे आने के लिए प्रेरित किया।समारोह में यूपीएससी/पीएससी चयनित 13, नेट उत्तीर्ण 3, आईआईटी समकक्ष 4, नीट यूजी/पीजी 38, खेल 7, कक्षा 12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 19 और कक्षा 10वीं के 47 विद्यार्थियों का सम्मान हुआ। संचालन सेवानिवृत्त टीआई रघुनाथ सिंह यादव ने व आभार सेवानिवृत्त राजकुमार ने व्यक्त किया।

कलाकारों ने दी भजन, कजरी और भक्ति रचनाओं की प्रस्तुति

श्रीकृष्ण भक्ति के रंग में रंगी रागायन की संगीत सभा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में रविवार को रागायन की संगीत सभा का आयोजन सिद्धपीठ श्री गंगादास जी की बड़ी शाला, लक्ष्मीबाई कॉलोनी, लश्कर में किया गया। उपशास्त्रीय गीत शैलियों पर केंद्रित इस संगीत सभा में भजन, कजरी, झूला तथा विभिन्न भक्ति रचनाओं की सुमधुर प्रस्तुतियों ने वातावरण को कृष्णमय बना दिया। संगीतप्रेमी श्रोताओं ने देर तक प्रस्तुतियों का आनंद लिया और कलाकारों की सराहना की।

शुरू में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री पूरन बैराठी पीठाधीश्वर स्वामी रामसेवक दास महाराज ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं गुरु पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर संजय देवले, ब्रह्मदत्त दुबे , डॉ. अनूप मोघे, श्रीकांत कुलकर्णी, संजय आफले सहित विशिष्ट जन उपस्थित थे। संगीत सभा में डॉ. मुकेश सक्सेना, टीकेंद्रनाथ चतुर्वेदी, मनीष शर्मा, वैशाली मोघे, वंदना सक्सेना, सुजल जैन, वर्षा मित्रा, सौम्या शर्मा एवं राधिका झा ने एकसे बढ़कर एक सांगीतिक प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया।

कलाकारों ने कृष्ण भक्ति से ओतप्रोत भजनों के साथ कजरी और अन्य भक्ति रचनाएं प्रस्तुत कर संगीत की विविध छटाएं बिखेरीं। कहीं कृष्ण की लीलाओं और माधुर्य का भाव मुखर हुआ तो कहीं भक्ति और विरह की अनुभूति ने श्रोताओं को भावविभोर किया। उपशास्त्रीय संगीत की मधुरता और भक्ति रस के समन्वय ने संगीत सभा को विशेष गरिमा प्रदान की।

संगीत प्रस्तुतियों के दौरान संजय राठौर, डॉ. विनय विंदे एवं सुश्री वर्षा मित्रा ने साज संगति प्रदान की। वाद्य संगति के साथ कलाकारों की गायकी ने प्रस्तुतियों को प्रभावपूर्ण बनाया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित इस सभा में संगीत और भक्ति का सुंदर समागम देखने को मिला। कार्यक्रम में उपस्थित संगीत प्रेमियों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। रागायन की इस संगीत सभा ने उपशास्त्रीय संगीत परंपरा के साथ श्रीकृष्ण भक्ति के भाव को भी श्रोताओं तक पहुंचाया।

रक्तदान कर पेश की मानवता की मिसाल

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शिप्रा हेल्थ फाउंडेशन एवं शुभम हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 10 युवाओं ने रक्तदान कर मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। रक्तदाताओं द्वारा दान किया गया रक्त गंभीर एवं जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोग किया जाएगा।

शिविर के मुख्य अतिथि विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) के उपाध्यक्ष हरीश मेवाफरोश रहे। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान जीवनदान है। स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद मरीज के जीवन की डोर बन सकता है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में स्वैच्छिक रक्तदान से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर पुलिस निरीक्षक विनय कुमार शर्मा ने रक्तदान किया। वे पिछले कई वर्षों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करते आ रहे हैं।

शिविर में विनय कुमार शर्मा, अंकित बादल, हर्षित बादल, विजय सोनी, राघवेंद्र सिंह राजावत, बालेंद्र पचौरी, जितेंद्र शर्मा, शिव मंगल त्रिपाठी, अनुज मिश्रा एवं लोकेंद्र सिंह भदौरिया ने रक्तदान किया। शिप्रा हेल्थ फाउंडेशन के संस्थापक सुधीर राव दुरापे ने सभी रक्तदाताओं, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार जताते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है।

दिनभर खड़े रहने, अधिक चलने या लंबे समय तक एक ही जगह बैठने के बाद पैरों में हल्की सूजन आ जाना आम बात हो सकती है। कई बार गलत फिटिंग वाले जूते पहनने या अधिक नमक खाने की वजह से भी यह समस्या दिखाई देती है। लेकिन अगर पैरों या टखनों में बार-बार सूजन आती है, लंबे समय तक बनी रहती है या इसके साथ अन्य लक्षण भी महसूस होते हैं, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार होने वाली सूजन कई बार शरीर के अंदर मौजूद किसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत हो सकती है। ऐसे में समय रहते कारण का पता लगाना और डॉक्टर से जांच कराना बेहद जरूरी है।

बार-बार पैरों में सूजन को न करें नज़रअंदाज़, इन बीमारियों का हो सकता है संकेत

क्या होती है एडिमा?

मेडिकल भाषा में पैरों की सूजन को एडिमा कहा जाता है। यह ऐसी स्थिति होती है, जब शरीर के ऊतकों में सामान्य से अधिक तरल पदार्थ जमा होने लगता है। आमतौर पर जब शरीर का रक्त संचार तंत्र या कोई महत्वपूर्ण अंग ठीक तरह से काम नहीं करता, तो अतिरिक्त तरल पदार्थ गुरुत्वाकर्षण के कारण पैरों और टखनों में इकट्ठा होने लगता है। यह केवल एक लक्षण है, बीमारी नहीं। इसलिए बार-बार एडिमा होना इस बात का संकेत हो सकता है कि शरीर के किसी अंग की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है।

हृदय रोग भी हो सकता है वजह

पैरों में लगातार सूजन आने का एक प्रमुख कारण हृदय से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। जब हृदय शरीर के विभिन्न हिस्सों तक पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं पहुंचा पाता, तो रक्त नसों में जमा होने लगता है। इससे पैरों और टखनों में सूजन दिखाई दे सकती है। अगर सूजन के साथ सांस लेने में तकलीफ, जल्दी थकान महसूस होना, सीने में दर्द या भारीपन जैसे लक्षण भी हों, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में बिना देरी किए डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

किडनी की खराब कार्यक्षमता भी बढ़ा सकती है सूजन

किडनी का मुख्य काम शरीर से अतिरिक्त पानी, नमक और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालना होता है। यदि किडनी ठीक तरह से काम नहीं कर रही हो, तो शरीर में पानी और सोडियम जमा होने लगता है। इसका असर सबसे पहले पैरों, टखनों और कई बार आंखों के नीचे सूजन के रूप में दिखाई देता है ।यदि पैरों की सूजन के साथ पेशाब की मात्रा में कमी, बार-बार पेशाब आना या पेशाब के रंग में बदलाव जैसे लक्षण महसूस हों, तो किडनी की जांच कराना जरूरी हो सकता है।

लिवर की बीमारी का भी हो सकता है संकेत

लिवर शरीर में एल्ब्यूमिन नामक एक महत्वपूर्ण प्रोटीन बनाता है, जो रक्त वाहिकाओं के भीतर तरल पदार्थ को बनाए रखने में मदद करता है। जब लिवर सिरोसिस या किसी अन्य गंभीर बीमारी से प्रभावित होता है, तो एल्ब्यूमिन का स्तर कम होने लगता है। इससे तरल पदार्थ रक्त वाहिकाओं से बाहर निकलकर आसपास के ऊतकों में जमा होने लगता है, जिससे पैरों में सूजन आ सकती है। यदि लंबे समय तक सूजन बनी रहे और इसके साथ पेट फूलना, त्वचा या आंखों का पीला पड़ना जैसे लक्षण भी हों, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

नसों में खून का थक्का भी हो सकता है कारण

कुछ मामलों में पैरों की सूजन का कारण डीप वेन थ्रोम्बोसिस भी हो सकता है। यह एक गंभीर स्थिति है, जिसमें पैरों की गहरी नसों में खून का थक्का बन जाता है। यदि अचानक केवल एक पैर में तेज सूजन, दर्द, गर्माहट या लालिमा दिखाई दे, तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह थक्का टूटकर फेफड़ों तक पहुंच सकता है, जिससे जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल जाना चाहिए।

किन लक्षणों के साथ तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए?

अगर पैरों की सूजन के साथ सांस फूलना, सीने में दर्द, पेशाब कम होना, केवल एक पैर में ज्यादा सूजन, तेज दर्द, त्वचा का लाल या गर्म होना, या सूजन लगातार कई दिनों तक बनी रहे, तो घरेलू उपायों पर निर्भर रहने की बजाय डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है। समय पर जांच से बीमारी का सही कारण पता लगाया जा सकता है और इलाज शुरू होने से गंभीर जटिलताओं से बचाव संभव हो सकता है।

कब नहीं करें लापरवाही?

हर बार पैरों की सूजन किसी गंभीर बीमारी का संकेत नहीं होती, लेकिन यदि यह बार-बार हो रही है, लंबे समय तक बनी रहती है या अन्य असामान्य लक्षणों के साथ दिखाई देती है, तो इसे नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है। शरीर अक्सर शुरुआती लक्षणों के जरिए अंदरूनी समस्याओं का संकेत देता है। ऐसे में समय रहते चिकित्सकीय सलाह लेना ही सबसे सुरक्षित कदम है। यह लेख केवल सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के उद्देश्य से तैयार किया गया है। किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या या लक्षण दिखाई देने पर स्वयं उपचार करने के बजाय योग्य चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें।

खाली पेट गर्म पानी पीने से पहले जान लें ये जरूरी बातें, नहीं तो बढ़ सकती है परेशानी

सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने की सलाह लंबे समय से दी जाती रही है। माना जाता है कि इससे शरीर को हाइड्रेशन मिलता है, पाचन क्रिया बेहतर होती है और दिन की शुरुआत ताजगी के साथ होती है। कई लोग इसे अपनी डेली रूटीन का हिस्सा भी बना चुके हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि यह आदत हर व्यक्ति के लिए समान रूप से फायदेमंद साबित हो। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर पानी का तापमान बहुत ज्यादा हो या किसी व्यक्ति को पहले से कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो, तो सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने से फायदे की बजाय परेशानी बढ़ सकती है। इसलिए किसी भी स्वास्थ्य सलाह को अपनी शारीरिक स्थिति के अनुसार अपनाना अधिक उचित माना जाता है।

क्या सुबह गर्म पानी पीना हमेशा लाभदायक होता है?

गुनगुना पानी सामान्य तौर पर सुरक्षित माना जाता है और अधिकांश स्वस्थ लोगों के लिए यह लाभकारी हो सकता है। लेकिन बहुत अधिक गर्म पानी पीने से मुंह, गले और भोजन नली की अंदरूनी परत पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों में यह आदत लक्षणों को और बढ़ा सकती है। इसलिए पानी हमेशा इतना ही गर्म होना चाहिए कि उसे बिना किसी असहजता के आराम से पिया जा सके।

मुंह में छाले या गले में सूजन होने पर रखें विशेष ध्यान

यदि किसी व्यक्ति के मुंह में छाले हैं या गले में सूजन, खराश अथवा जलन की शिकायत है, तो बहुत गर्म पानी पीना परेशानी बढ़ा सकता है। अधिक गर्म पानी प्रभावित हिस्से में जलन और दर्द को बढ़ा सकता है, जिससे खाने-पीने में भी दिक्कत हो सकती है। ऐसी स्थिति में सामान्य तापमान या हल्का गुनगुना पानी अधिक आरामदायक विकल्प माना जाता है।

एसिडिटी और सीने में जलन से परेशान लोग रहें सतर्क

जिन लोगों को बार-बार एसिडिटी, गैस या सीने में जलन की समस्या रहती है, उन्हें भी बहुत गर्म पानी पीने से असहजता महसूस हो सकती है। हालांकि हर व्यक्ति का शरीर अलग तरह से प्रतिक्रिया देता है, लेकिन यदि गर्म पानी पीने के बाद जलन या एसिडिटी बढ़ने लगे तो इस आदत पर दोबारा विचार करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

संवेदनशील पाचन तंत्र वाले लोगों को हो सकती है परेशानी

कुछ लोगों का पाचन तंत्र काफी संवेदनशील होता है। ऐसे लोगों को सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने के बाद पेट में जलन, ऐंठन, भारीपन या असहजता महसूस हो सकती है। यदि ऐसा लगातार होता है, तो बेहतर होगा कि पानी का तापमान कम रखा जाए या सामान्य तापमान का पानी पिया जाए। अपने शरीर के संकेतों को समझना सबसे महत्वपूर्ण है।

शरीर में पानी की कमी होने पर केवल गर्म पानी पर्याप्त नहीं

यदि शरीर पहले से डिहाइड्रेशन का शिकार है, तो केवल गर्म पानी पीना पर्याप्त नहीं माना जाता। ऐसे समय में शरीर को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ की जरूरत होती है। सामान्य या हल्का गुनगुना पानी पर्याप्त मात्रा में पीना चाहिए और जरूरत महसूस होने पर डॉक्टर की सलाह से इलेक्ट्रोलाइट्स का भी सेवन किया जा सकता है, ताकि शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स का संतुलन बना रहे।

गर्म पानी पीते समय इन बातों का रखें ध्यान

गर्म पानी पीने का सबसे जरूरी नियम यह है कि पानी कभी भी उबलता हुआ या अत्यधिक गर्म नहीं होना चाहिए। पानी का तापमान इतना होना चाहिए कि उसे आराम से बिना जलन के पिया जा सके। सुबह उठने के बाद एक से दो गिलास हल्का गुनगुना पानी पर्याप्त माना जाता है। साथ ही, यदि किसी व्यक्ति को पहले से कोई गंभीर बीमारी, पाचन संबंधी समस्या या अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी है, तो अपनी दिनचर्या में बदलाव करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

सुबह गुनगुना पानी पीना कई लोगों के लिए एक अच्छी और फायदेमंद आदत हो सकती है, लेकिन इसे हर व्यक्ति के लिए समान रूप से लाभकारी मानना सही नहीं होगा। यदि गर्म पानी पीने के बाद किसी तरह की असहजता, जलन या अन्य समस्या महसूस होती है, तो इसे नजरअंदाज करने के बजाय अपने शरीर की जरूरत के अनुसार बदलाव करना चाहिए। सही तापमान का पानी, संतुलित मात्रा और चिकित्सकीय सलाह के साथ अपनाई गई आदत ही वास्तव में स्वास्थ्य के लिए लाभदायक साबित होती है।

सेहत का खजाना है

ये सब्जी, डायबिटीज से लेकर दिल की सेहत के लिए भी मानी जाती है फायदेमंद

बरसात के मौसम में बाजारों में हरी-भरी और ताजी तोरई की भरमार देखने को मिलती है। यह केवल स्वादिष्ट सब्जी ही नहीं, बल्कि पोषक तत्वों से भरपूर ऐसी सब्जी है, जिसे आयुर्वेद में भी विशेष महत्व दिया गया है। हल्की, आसानी से पचने वाली और शरीर को ठंडक पहुंचाने वाली तोरई बरसात और गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी बीमारी के इलाज के लिए केवल तोरई पर निर्भर रहना उचित नहीं है। यदि कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो तो डॉक्टर या आयुर्वेद विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी है।

पोषक तत्वों से भरपूर होती है तोरई

तोरई में विटामिन ए, विटामिन सी, फाइबर, पोटैशियम, मैग्नीशियम समेत कई आवश्यक खनिज तत्व पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें पानी की मात्रा भी काफी अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है। यही वजह है कि गर्मी और बरसात के मौसम में इसका सेवन शरीर को तरोताजा रखने और पानी की कमी से बचाने में सहायक माना जाता है।

पाचन तंत्र को रखती है स्वस्थ

तोरई को पाचन के लिए बेहद लाभकारी सब्जी माना जाता है। इसमें मौजूद फाइबर भोजन को आसानी से पचाने में मदद करता है और पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है। नियमित रूप से संतुलित मात्रा में इसका सेवन करने से कब्ज की समस्या में राहत मिल सकती है और पेट साफ रखने में भी सहायता मिलती है। जिन लोगों को अक्सर गैस, अपच या भारीपन की शिकायत रहती है, उनके लिए हल्के भोजन के रूप में तोरई एक अच्छा विकल्प हो सकती है।

वजन नियंत्रित रखने में भी करती है मदद

जो लोग वजन कम करने या नियंत्रित रखने की कोशिश कर रहे हैं, उनके लिए भी तोरई लाभकारी मानी जाती है। इसमें कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है, जबकि फाइबर भरपूर मात्रा में मौजूद रहता है। यही कारण है कि इसे खाने के बाद लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और बार-बार भूख नहीं लगती। इस वजह से इसे वजन घटाने वाले संतुलित आहार में भी शामिल किया जाता है।

डायबिटीज मरीजों के लिए भी हो सकती है उपयोगी

मधुमेह यानी डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए भी तोरई को फायदेमंद माना जाता है। इसमें प्राकृतिक रूप से शर्करा की मात्रा कम होती है और फाइबर अधिक होने के कारण यह रक्त में शुगर के स्तर को नियंत्रित रखने में सहायक हो सकती है। हालांकि विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि डायबिटीज के मरीज अपने खानपान में कोई भी बड़ा बदलाव करने से पहले चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

दिल की सेहत का भी रखती है ख्याल

तोरई का सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। इसमें मौजूद पोटैशियम रक्तचाप को संतुलित बनाए रखने में मदद करता है। वहीं फाइबर शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में सहायक हो सकता है, जिससे हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है। संतुलित आहार के साथ इसका नियमित सेवन दिल को स्वस्थ रखने में सहयोगी माना जाता है।

शरीर को ठंडक पहुंचाने में सहायक

वैद्य विष्णु दत्त प्रजापति के अनुसार आयुर्वेद में तोरई को शरीर की गर्मी कम करने वाला खाद्य पदार्थ माना गया है। इसका नियमित सेवन शरीर को ठंडक पहुंचाने के साथ-साथ पानी की कमी से बचाने में भी मदद कर सकता है। यही कारण है कि बरसात और गर्मी के मौसम में इसे भोजन का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है।

इस तरह खाने से मिलेगा अधिक लाभ

विशेषज्ञों का कहना है कि तोरई का अधिकतम पोषण लाभ तभी मिलता है, जब इसे कम तेल और हल्के मसालों के साथ पकाकर खाया जाए। अत्यधिक तेल और मसालों का प्रयोग इसके पोषण मूल्य को प्रभावित कर सकता है। साथ ही हमेशा ताजी, हरी और कोमल तोरई का ही सेवन करना चाहिए, क्योंकि इसमें पोषक तत्व अधिक मात्रा में सुरक्षित रहते हैं।

संतुलित आहार का बेहतरीन हिस्सा

तोरई ऐसी हरी सब्जी है, जिसमें स्वाद, पोषण और स्वास्थ्य का बेहतरीन संतुलन देखने को मिलता है। यदि इसे नियमित रूप से संतुलित आहार में शामिल किया जाए, तो यह शरीर को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने के साथ स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने में भी मदद कर सकती है। हालांकि आयुर्वेद में इसके कई लाभ बताए गए हैं, लेकिन इसे किसी भी बीमारी का निश्चित इलाज नहीं माना जा सकता। यदि किसी व्यक्ति को लंबे समय से कोई गंभीर बीमारी या अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्या है, तो उसे चिकित्सकीय सलाह के अनुसार ही उपचार कराना चाहिए।

फाइनल में चीन की जोड़ी को हराकर भारतीय जोड़ी ने रचा इतिहास

सात्विक-चिराग ने पहली बार जीता चाइना मास्टर्स टूर्नामेंट का खिताब

भारतीय जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चाइना मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम किया, उन्होंने रोमांचक खिताबी मुकाबले में चीन की हे जी तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर ऐतिहासिक जीत हासिल की

शेनझेन

भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने आखिरकार चाइना मास्टर्स का खिताब अपने नाम कर लिया। सुपर 750 टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय जोड़ी ने चीन के घरेलू पसंदीदा हे जी तिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को तीन गेम तक चले मुकाबले में शिकस्त दी। सात्विक और चिराग ने मुकाबला 11-21, 21-13, 21-17 से अपने नाम किया। इसके साथ ही भारतीय जोड़ी ने इस टूर्नामेंट में पिछले दो फाइनल की निराशा को भी पीछे छोड़ दिया।

2023 और 2025 में रह गए थे उपविजेता

चाइना मास्टर्स सात्विक-चिराग के लिए लंबे समय से चुनौतीपूर्ण टूर्नामेंट रहा था। भारतीय जोड़ी 2023 और 2025 में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन दोनों ही मौकों पर उसे उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा था। इस बार भी फाइनल में उनके सामने चीन की घरेलू जोड़ी थी, लेकिन सात्विक और चिराग ने दबाव में शानदार वापसी करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। चीन की धरती पर यह जीत भारतीय जोड़ी के लिए खास उपलब्धि है।

पहले गेम में पिछड़े, फिर पलट दिया मुकाबला

फाइनल में हे जी तिंग और रेन शियांग यू ने आक्रामक शुरुआत की। चीनी जोड़ी ने सात्विक-चिराग को पहले गेम में ज्यादा मौके नहीं दिए और 21-11 से गेम अपने नाम कर लिया। पहले गेम में पिछड़ने के बाद भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में अपने खेल का स्तर बढ़ाया। सात्विक और चिराग ने बेहतर तालमेल और सूझबूझ के साथ खेलते हुए चीनी जोड़ी पर दबाव बनाया। इसका फायदा उन्हें मिला और उन्होंने दूसरा गेम 21-13 से जीतकर मुकाबले को 1-1 की बराबरी पर ला दिया।

निर्णायक गेम में दिखाया चैंपियन वाला खेल

तीसरे गेम में मुकाबला काफी करीबी रहा, लेकिन निर्णायक मौकों पर भारतीय जोड़ी ने धैर्य बनाए रखा। सात्विक-चिराग ने दबाव को बेहतर तरीके से संभाला और 21-17 से तीसरा गेम जीत लिया।

तीसरा गेम अपने नाम करते ही भारतीय जोड़ी ने चाइना मास्टर्स के खिताब पर भी कब्जा जमा लिया। इस तरह 2023 और 2025 के फाइनल में मिली हार के बाद सात्विक-चिराग ने आखिरकार इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

इस सीजन का दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब

चाइना मास्टर्स की जीत सात्विक और चिराग के लिए इस सीजन का दूसरा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। इससे पहले भारतीय जोड़ी ने सिंगापुर ओपन का खिताब भी अपने नाम किया था। चाइना मास्टर्स का यह खिताब ऐसे समय आया है, जब आगामी एशियाई खेलों की चुनौती सामने है। ऐसे में चीन की धरती पर सुपर 750 खिताब जीतना सात्विक-चिराग के आत्मविश्वास के लिए बेहद अहम माना जा सकता है।

एन से-यंग ने खिताबी हैट्रिक लगाई, जेसन गुनावन ने अपना पहला बड़ा खिताब जीता

दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी एन से-यंग ने रविवार को लगातार तीसरा चाइना मास्टर्स खिताब जीता। वहीं, हांगकांग, चीन के जेसन गुनावन ने वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट में अपने पहले ही टूर्नामेंट में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीतकर सबको चौंका दिया। टॉप सीडेड एन, जो दक्षिण कोरिया की मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन हैं, ने महिला सिंगल्स के फाइनल में जापान की टोमोका मियाज़ाकी को 21-17, 21-6 से हराया। इस जीत के साथ एन की लगातार जीत का सिलसिला 33 मैचों तक पहुंच गया है। उन्होंने इस सीज़न में अपने 50 में से 49 मैच जीते हैं; उन्हें एकमात्र हार मार्च में ऑल इंग्लैंड फाइनल में चीन की वांग झियी से मिली थी।एन ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी गेम नहीं गंवाया। पिछले महीने वर्ल्ड टाइटल जीतने के बाद उन्होंने शेनझेन में भी शानदार प्रदर्शन किया। वह लगातार तीन बार चाइना मास्टर्स जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बन गईं।

दुनिया में 32वें नंबर के खिलाड़ी गुनावन ने पुरुष सिंगल्स के फाइनल में हांगकांग, चीन के ही खिलाड़ी ली चेउक यियू को 21-9, 21-16 से हराया। 22 वर्षीय गुनावन टूर्नामेंट में पहले अल्टरनेट खिलाड़ी के तौर पर शामिल हुए थे। उन्होंने जापान के कोकी वातानाबे, इंडोनेशिया के वर्ल्ड नंबर 1 जोनाथन क्रिस्टी, चीन के मौजूदा चैंपियन वेंग होंगयांग और डेनमार्क के पांचवें सीडेड एंडर्स एंटोनसेन को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इस जीत के साथ गुनावन वर्ल्ड टूर सुपर 750 या उससे ऊंचे लेवल का सिंगल्स खिताब जीतने वाले हांगकांग के पहले खिलाड़ी बन गए। यह पहली बार था जब चाइना मास्टर्स के पुरुष सिंगल्स फाइनल में दोनों जगहें हांगकांग, चीन के खिलाड़ियों ने हासिल कीं।

डबल्स में, चीन के फेंग यानझे और हुआंग डोंगपिंग ने मलेशिया के हू पैंग रॉन और लाई पेई जिंग को 21-19, 21-16 से हराकर मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता। जापान की सुमिरे नाकाडे और मियु ताकाहाशी ने महिला डबल्स फ़ाइनल में चीन की बाओ लिजिंग और काओ जिहान को 21-18, 21-18 से हराया।

ट्राई-सीरीज : फाइनल मुकाबला

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को हराकर खिताब अपने नाम किया

ब्रैड एवन्स की 56 रन की पारी बेकार, जिम्बाब्वे 48 रन से हारा

विंडहोक

नामीबिया में खेली गई ट्राई-सीरीज के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 48 रन से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया । पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 205 रन बनाए और जिम्बाब्वे के सामने 206 रन का लक्ष्य रखा। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। ब्रैड एवन्स ने 56 रन की शानदार पारी खेलकर जीत की उम्मीद जगाई, लेकिन उनकी कोशिश टीम को जीत नहीं दिला सकी।

दक्षिण अफीका ने बनाए 205 रन

टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। कॉनर एस्टरहुइजन और जॉर्डन हरमन ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए शुरुआती छह ओवर में दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 67 रन तक पहुंचा दिया। दक्षिण अफ्रीका को पहला झटका आठवें ओवर में लगा, जब न्यूमैन न्यामहुरी ने कॉनर एस्टरहुइजन को आउट कर दिया। इसके बाद डेवाल्ड ब्रेविस ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन वह 32 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। दूसरे छोर पर जॉर्डन हरमन ने अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 53 रन की उपयोगी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंतिम ओवरों में डुआन यानसेन ने तेजी से रन बटोरे। उन्होंने सिर्फ 14 गेंदों पर 23 रन बनाए। उनकी इस तेज पारी की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 205 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

206 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पावरप्ले के अंदर ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए। छह ओवर पूरे होने तक जिम्बाब्वे के चार बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। ऐसी स्थिति में कप्तान सिकंदर रजा से बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह भी 16 रन बनाकर ब्योर्न फोर्टुइन का शिकार हो गए। इसके बाद जिम्बाब्वे पर हार का खतरा और बढ़ गया। जिम्बाब्वे के लगातार विकेट गिरने के बावजूद ब्रैड एवन्स ने हार नहीं मानी। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 56 रन की शानदार पारी खेली और टीम की जीत की उम्मीदों को कुछ समय के लिए जिंदा रखा। उनके साथ कुंडई मातिगिमु ने भी 19 रन का योगदान दिया। दोनों बल्लेबाजों के बीच 52 रन की साझेदारी हुई, जिससे जिम्बाब्वे की टीम मुश्किल स्थिति से बाहर निकलती हुई नजर आई। हालांकि, दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा और साझेदारी टूटने के बाद जिम्बाब्वे की पारी फिर लड़खड़ा गई। अंत में टीम 48 रन से मुकाबला हार गई।

दक्षिण अफ्रीका का लीग चरण में भी दबदबा:- नामीबिया में खेली गई इस ट्राई-सीरीज में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया ने लीग चरण में चार-चार मुकाबले खेले थे। दक्षिण अफ्रीका ने चार में से तीन मैच जीते, जबकि उसे एकमात्र हार सीरीज के शुरुआती मुकाबले में नामीबिया के खिलाफ मिली थी। वहीं, जिम्बाब्वे ने चार में से दो मुकाबलों में जीत हासिल की। नामीबिया की टीम को लीग चरण में सिर्फ एक जीत मिली। जॉर्डन हरमन मैन ऑफ द मैच एवं टूर्नामेंट में 226 रन बनाने वाले डेवाल्ड ब्रेविस मैन ऑफ द सीरीज चुने गए।

वर्ल्ड नंबर-1 रुमेश पथिरगे ने रचा इतिहास, डायमंड लीग खिताब जीता

ब्रसेल्स

श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरगे ने इतिहास रच दिया है। वह डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए हैं। दुनिया के नंबर-1 जैवलिन थ्रोअर रुमेश ने ब्रसेल्स के किंग बाउडौइन स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में खिताब अपने नाम कर सीजन का शानदार अंत किया।

तीसरी कोशिश में किया 89.04 मीटर का थ्रो

23 वर्षीय रुमेश ने किंग बाउडौइन स्टेडियम में अपनी तीसरी कोशिश में 89.04 मीटर का थ्रो किया और जीत पक्की कर ली। पोलैंड के डेविड वेगनर 87.47 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

पूर्व ओलंपिक चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए 83.99 मीटर की दूरी तय की और तीसरे स्थान पर रहे। वहीं, ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे।

दलीप ट्रॉफी फाइनल मुकाबला

इशान किशन के नाबाद शतक से पहला दिन ईस्ट जोन के नाम रहा

किशन 111 रन बनाकर, जबकि कुशाग्र 63 के स्कोर पर नाबाद हैं

चेन्नई

कप्तान इशान किशन (नाबाद 111) की शतकीय और शिखर मोहन (85), अभिमन्यु ईश्वरन (72) और कुमार कुशाग्र (नाबाद 63) रनों की अर्धशतकीय पारियों की मदद से पूर्वी क्षेत्र ने रविवार को दलीप ट्रॉफी फाइनल मुकाबले के पहले दिन रविवार को खेल समाप्त होने के समय दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ चार विकेट पर 385 रनों का स्कोर बनाकर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बना ली।

कल यहां पूर्वी क्षेत्र ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अभिमन्यु ईश्वरन और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिए 100 रन जोड़े। 15वें ओवर में चामा मिलिंद ने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे वैभव सूर्यवंशी (44) का शिकार कर पूर्वी क्षेत्र को पहला झटका दिया। वैभव ने अपनी पारी में 37 गेंदों का सामना किया और पांच चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद शिखर मोहन ने ईश्वरन के साथ मोर्चा संभाला। इसी दौरान 25वें ओवर में ईश्वरन (72) रन आउट हो गये। उन्होंने अपनी पारी में 86 गेंदों का सामना किया और 10 चौके ओर एक छक्का लगाया। सुदीप कुमार घरामी छह रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में आउट हुये। दिन का चौथा विकेट 53वें ओवर में शिखर मोहन 85 रन के रूप में गिरा। उन्हें चामा मिलिंद ने बोल्ड आउट किया। शिखर मोहन ने अपनी पारी में 120 गेंदों का सामना किया और नौ चौके और तीन छक्के उड़ाये। स्टंप्स के समय पूर्वी क्षेत्र ने चार विकेट पर 385 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। इशान किशन 111 और कुमार कुशाग्र 63 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। किशन ने 135 गेंदों की अपनी शतकीय पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया।अब तक दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 144 रनों की नाबाद साझेदारी हो चुकी है।

साउथ ज़ोन की ओर से सिराज सबसे महंगे गेंदबाज़ रहे जिन्होंने 14 ओवर में 96 रन ख़र्च किए। पहले दिन मिलिंद के दो विकेटों के अलावा त्रिपुराणा विजय ही सफलता हासिल करने वाले एकमात्र अन्य गेंदबाज़ रहे। शेष अन्य गेंदबाज़ों सिराज, श्रेयस गोपाल और एमडी निधीश को एक भी विकेट हासिल नहीं हुआ।

भारत और जापान मैच के लिए ब्रॉडकास्टर की तलाश जारी

नयी दिल्ली

जापान और भारत के बीच होने वाले एक ही मैच (टी20 मैच) के लिए ब्रॉडकास्टर खोजने की कोशिशें चल रही हैं। जापान क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) टोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल स्टेडियम में 22 सितंबर को होने वाले मैच के ब्रॉडकास्ट राइट्स हासिल करने के लिए आईटीडब्ल्यू यूनिवर्स के साथ बातचीत कर रही है। चूंकि यह मैच आइची-नागोया में एशियाई खेलों के साथ-साथ हो रहा है, इसलिए इसका प्रोडक्शन करना आयोजकों के लिए लॉजिस्टिकल और ऑपरेशनल चुनौती होगी। हालांकि, माना जा रहा है कि जेसीए मैच के ब्रॉडकास्ट राइट्स के लिए आईटीडब्ल्यू यूनिवर्स के साथ समझौता ज्ञापन साइन करने के करीब है।शुरुआती योजना कम प्रोडक्शन इक्विपमेंट के साथ यूट्यूब पर मैच को लाइव-स्ट्रीम करने की थी, क्योंकि दो असमान टीमों के बीच एक ही मैच के लिए ब्रॉडकास्ट या स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म खोजना मुश्किल माना जा रहा था। इसे अभी भी ग्लोबल दर्शकों के लिए यूट्यूब पर स्ट्रीम किया जा सकता है, लेकिन भारत में दर्शकों के लिए मैच रेगुलर ब्रॉडकास्ट प्लेटफॉर्म पर दिखाया जा सकता है। हालांकि अभी कोई डील साइन नहीं हुई है।

लेकिन माना जा रहा है कि स्ट्रीमिंग राइट्स के लिए फैनकोड (डिजिटल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म जिसने जेसीए के साथ पाथवे प्रतियोगिताओं पर बड़े पैमाने पर सहयोग किया है) से भी बातचीत चल रही है।

जूनियर एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप

संघषपूर्ण मैच में भारतीय पुरुषों ने जापान को 3-3 से ड्रा पर रोका

मोकी (चीन)

भारतीय पुरुषों द्वारा देर से किए गए नाटकीय संघर्ष ने रविवार को यहां जूनियर एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप के अपने दूसरे पूल ए मुकाबले में जापान के खिलाफ अंतिम सेकंड में 3-3 से ड्रॉ हासिल करने के लिए जबरदस्त लड़ाई का प्रदर्शन किया। भारत ने आत्मविश्वास से भरी शुरुआत करते हुए 2-0 की बढ़त बना ली, लेकिन जापान 2-2 से बराबरी कर ली और एक मिनट शेष रहते हुए 3-2 से आगे भी हो गया, इसके बाद आखिरी मिनट में भारत ने हूटर के साथ अंक बांटने के लिए महत्वपूर्ण गोल किया, जिससे मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। भारत ने चौथे मिनट में शुरुआती बढ़त ले ली जब कप्तान अनमोल एक्का ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल दिया और छह मिनट बाद आशु मौर्य के नेट में पहुंचने के बाद इसे 2-0 कर दिया, लेकिन अगले ही मिनट में जापान के रयुशिन सासाकी ने शॉर्ट कॉर्नर को गोल में बदल कर स्कोर 2-1 कर दिया। भारत आधे समय तक 2-1 से आगे रहा। तीसरे क्वार्टर में कोई भी टीम बढ़त नहीं बना सकी। अंतिम क्वार्टर में जापान ने बराबरी के लिए दबाव बनाते हुए पेनल्टी कॉर्नर जीता और दोबारा मिले पेनल्टी कॉर्नर के बाद, कप्तान काजुकी नाकानिशी ने 48वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। घड़ी में केवल 1:22 मिनट शेष रहने पर, जापान को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और नाकानिशी ने एक बार फिर कदम बढ़ाया, 59वें मिनट में ड्रैग फ्लिक के साथ लक्ष्य हासिल कर जापान को 3-2 से आगे कर दिया। भारत ने केवल 59 सेकंड शेष रहते हुए निर्णायक पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया और अनमोल एक्का ने एक बार फिर सामने से नेतृत्व करते हुए इसे हूटर के साथ 3-3 कर स्कोर बराबर कर दिया। भारतीय पुरुष एक दिन के ब्रेक के बाद अपने तीसरे पूल ए मुकाबले में 8 सितंबर को कोरिया से भिड़ेंगे।

महिला टीम ने मलेशिया को 11-1 से रौंदा, लगातार दूसरी जीत दर्ज की

भारतीय महिला टीम ने रविवार को एशियन जूनियर हॉकी टूर्नामेंट में अपने दूसरे ग्रुप मैच में उन्होंने मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त दी।

चार गोल फील्ड प्ले से, पांच पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से हुए, जिससे उन्होंने लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पहले ही मिनट में पूजा साहू ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर खाता खोला। इसके बाद गोलों की झड़ी लग गई। शुरुआती सफलता ने लय तय कर दी और चौथे मिनट में पूर्णिमा यादव ने गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। विरोधी डिफेंस पर लगातार दबाव बनाते हुए, बिनीमा धन ने आठवें मिनट में शॉर्ट कॉर्नर से स्कोर 3-0 कर दिया और छह मिनट बाद कृष्णा शर्मा ने इसे 4-0 तक पहुंचा दिया। दूसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में, यानी 17वें मिनट में पूर्णिमा ने फिर से गोल किया, इस बार पेनल्टी कॉर्नर से। हाफ-टाइम से पहले दो और गोल हुए - सुखवीर कौर ने 21वें मिनट में और गीता यादव ने 28वें मिनट में गोल किए (दोनों पेनल्टी कॉर्नर से) - जिससे भारत ने हाफ-टाइम तक 7-0 की बड़ी बढ़त बना ली। मलेशिया आखिरकार 38वें मिनट में एक गोल करने में सफल रहा, जब नूर मोहम्मद ने मैच का उनका एकमात्र गोल किया। हालांकि, इस सांत्वना गोल का भारत के दबदबे वाले खेल पर कोई खास असर नहीं पड़ा। चार मिनट बाद पूजा ने एक और स्ट्रोक को गोल में बदला और सानिका चंद्रकांत माने ने 43वें मिनट में स्कोर 9-1 कर दिया, और मैच अंतिम क्वार्टर की ओर बढ़ गया। गीता ने 53वें मिनट में एक और पेनल्टी-कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच का अपना दूसरा गोल किया और टीम की बढ़त बनाए रखी। इसके बाद सानिका ने 58वें मिनट में एक और गोल करके 11-1 से बड़ी जीत पक्की की। भारत सोमवार को आराम करेगा और फिर 8 सितंबर को अपने तीसरे पूल-स्टेज मैच में जापान के खिलाफ़ खेलेगा।

यूएस ओपन: सेरूंडोलो ने बड़ा उलटफेर करते हुए टेलर फ्रिट्स को दी शिकस्त

न्यूयॉर्क

अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरूंडोलो ने बड़ा उलटफेर करते हुए नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को हराकर यूएस ओपन 2026 से बाहर कर दिया है। इस जीत के साथ ही सेरूंडोलो ने पहली बार यूएस ओपन के अंतिम-16 में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार को खेले गये मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने यूएस ओपन में दो सेट की बढ़त गंवा दी और उन्हें तीसरे दौर में 24वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से 3-6, 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा। अब चौथे दौर में सेरूंडोलो का सामना बेल्जियम के युवा खिलाड़ी अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स से होगा, जिन्होंने फ्रांस के फ्लेवियो कोबोली को हराया है।

रायबाकिना अंतिम 16 में, झेंग ने मैडिसन कीज़ को हराया

महिलाओं में दूसरी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने यूक्रेन की यूलिया स्ट्रोडुबत्सेवा को सीधे सेटों में हराया, जबकि चीन की झेंग किनवेन ने निर्णायक सेट में 5-0 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका की मैडिसन कीज़ को हराकर शनिवार को यूएस ओपन के अंतिम 16 में प्रवेश किया। दो बार की ग्रैंड स्लैम विजेता रायबाकिना ने स्ट्रोडुबत्सेवा पर 7-6 (6), 6-3 से जीत हासिल की। रायबाकिना का अगला मुकाबला जापान की नाओमी ओसाका से होगा। 13वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने बेल्जियम की एलिस मर्टेंस को 6-3, 3-6, 7-5 से हराया। ओलंपिक चैंपियन झेंग ने 22वीं वरीयता प्राप्त कीज़ को 1-6, 7-6 (3), 7-5 से हराकर क्वालीफाइंग में अपनी दौड़ जारी रखी। ग्रैंड स्लैम के अंतिम 16 में अपनी छठी उपस्थिति में, झेंग आठवीं वरीयता प्राप्त पोलैंड की इगा स्वियाटेक के खिलाफ खेलेंगी। स्वियाटेक ने चेक गणराज्य की मैरी बौज़कोवा को 7-6 (3), 7-6 (3) से हराया।

पुरुष एकल के तीसरे दौर में, शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने चिली के एलेजांद्रो ताबिलो को 6-2, 7-6 (2), 6-2 से हराया।

जोविक ने एला को हराकर पहली बार चौथे राउंड में जगह बनाई

कोर्ट पर तीन घंटे से ज़्यादा समय तक चले कड़े मुकाबले के बाद, इवा जोविक ने एलेक्जेंड्रा एला को 7-5, 3-6, 7-5 से हराकर यूएस ओपन के चौथे राउंड में जगह बनाई। यह उनके घरेलू ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अब तक का उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है।

युकी भांबरी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर यूएस ओपन के पहले राउंड में हुए बाहर

न्यूयॉर्क

भारत के युकी भांबरी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर का यूएस ओपन 2026 टेनिस पुरुष युगल का सफर पहले ही राउंड में खत्म हो गया। शनिवार को खेले गये मुकाबले में दुनिया के नंबर 32 खिलाड़ी भांबरी और उनके साथी को न्यूजीलैंड के माइकल वीनस, अमेरिकी जोड़ी रयान सेगरमैन और पैट्रिक ट्रहाक से 7(7)-6(4), 7(7)-6(3) से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एक घंटे 43 मिनट तक चला। भांबरी और वीनस पिछले साल फ्लशिंग मीडोज में एक साथ सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। वहीं, दुनिया के नंबर 84 खिलाड़ी अनिरुद्ध चंद्रशेखर और उनके बेलारूसी साथी इवान लियुतारविच (जो युगल रैंकिंग में 89वें स्थान पर हैं) को ग्रेट ब्रिटेन के आर्थर फेरी और जोशुआ पेरिस से 6-4, 5-7, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। निकी पूनाचा के साथ-साथ भांबरी और चंद्रशेखर के बाहर होने के बाद, एन श्रीराम बालाजी यूएस ओपन में बचे एकमात्र भारतीय हैं।

शिखा पांडे, हैरिस और यास्तिका ने टीकेआर को दिलाई पहली जीत

ब्रिजटाउन

लॉरा हैरिस और यास्तिका भाटिया की 5.4 ओवर में 67 रन की ओपनिंग साझेदारी के बाद शिखा पांडे की अगुआई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने महिला कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) में मौजूदा चैंपियन बारबाडोस ट्राइडेंट्स के खिलाफ पहले ही मैच में 21 रनों से जीत दर्ज की। ट्राइडेंट्स की कप्तान हेली मैथ्यूज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और डियांड्रा डॉटिन की नाइट राइडर्स को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। हैरिस और यास्तिका ने उन्हें बिल्कुल शानदार शुरुआत दिलाई। हैरिस ने तेजी से रन बनाए और इस साझेदारी में 19 गेंदों पर 38 रन ठोके, जबकि यास्तिका ने 16 गेंदों पर 24 रन बनाए। कियाना जोसेफ ने यास्तिका को स्टंप कराकर अपना पहला विकेट लिया। 10वें ओवर में 1 विकेट पर 93 रन के स्कोर से नाइट राइडर्स अचानक 18वें ओवर में 6 विकेट पर 133 रन तक पहुंच गईं। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आईं मैडलिन पेन्ना ने 21 गेंदों पर 27 रन बनाकर टीम की पारी को संभाले रखा। उनकी पारी की बदौलत नाइट राइडर्स ने 155 रन बनाए। जोसेफ ने अपनी बाएं हाथ की स्पिन से 27 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं ट्राइडेंट्स की ओर से सूजी बेट्स और मैथ्यूज ने दो-दो विकेट हासिल किए। ट्राइडेंट्स के लिए मैथ्यूज और जोसेफ ने पहले विकेट के लिए 40 रन जोड़े। इसके बाद मैडी ग्रीन और किरण नवगिरे ने तीसरे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की। 13वें ओवर में ट्राइडेंट्स का स्कोर 107 रन था और टीम अच्छी स्थिति में थी। लेकिन इसके बाद पारी पूरी तरह बिखर गई। शिखा पांडे ने पहले मैथ्यूज को आउट किया था और फिर कम्बरबैच का विकेट भी हासिल किया। 18.4 ओवर में ट्राइडेंट्स की पूरी पारी 134 रन पर समेट दी। पांडे ने 17 रन देकर 3 विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया।

साई ने दिलाई ग्लॉस्टरशायर को रोमांचक जीत

ब्रिस्टल

आर साई किशोर (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ग्लॉस्टरशायर ने रॉथसे काउंटी चैंपियनशिप डिविज़न दो मैच के बेहद रोमांचक अंत में डर्बीशायर को 213 रन से हरा दिया। सीट यूनिक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ग्लॉस्टरशायर के इस विदेशी खिलाड़ी ने 18 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। 319 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही बेबस डर्बीशायर की टीम आखिरी सत्र में 39 ओवर के अंदर केवल 105 रन पर सिमट गई। मिडलटन ने 17 रन देकर 2 विकेट लिए।

औसत से साढ़े पांच इंच अधिक बारिश

आज भी गरज-चमक के साथ आसार

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में रविवार को सुबह से शाम तक घने बादल छाए रहे और 3.0 मिमी बारिश दर्ज हुई। इस दौरान शहर का अधिकतम पारा 27.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम केंद्र के मुताबिक राजधानी में सोमवार को भी बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी। इस दौरान 30 से 40 किमी की रफ्तार से हवा भी चल सकती है।

राजधानी में 1079.8 मिमी करीब 43 इंच बारिश दर्ज हो चुकी है, जो अब तक की औसत बारिश से साढ़े पांच इंच अधिक है। राजधानी में अब तक की बारिश ने पिछले साल हुई पूरे सीजन की बारिश का रिकार्ड भी तोड़ दिया है। शहर में पिछले तीन-चार दिन से लगातार बारिश हो रही है। अगस्त में भी राजधानी में औसत से अधिक बारिश दर्ज हो गई थी। अब सितंबर में भी औसत से अधिक बारिश होने के आसार हैं। इससे शहर में सीजन की बारिश का कोटा पहले ही पूरा हो गया है। इस बार राजधानी में मानसून की दस्तक देरी से हुई थी। इसके बाद भी बारिश ने पिछले साल की बारिश का रिकार्ड तोड़ दिया है।

सितंबर में ज्यादा बारिश का ट्रैंड

पिछले 10 वर्षों के सितंबर के आंकड़ों पर नजर डालें तो भोपाल में सात साल ऐसे रहे हैं, जब सितंबर की बारिश सामान्य औसत 175.6 मिमी से ज्यादा रही। सबसे ज्यादा बारिश 2019 में हुई थी। उस साल सितंबर में 563.9 मिमी पानी बरसा था। 2023 में भी सितंबर में 326.1 मिमी, 2024 में 291.2 मिमी, 2017 में 217.3 मिमी, 2021 में 214.2 मिमी और 2022 में 211.4 मिमी बारिश दर्ज हुई। यानी पिछले दशक में सितंबर कई बार औसत से काफी ज्यादा बारिश वाला महीना रहा है।

तीसरे दिन भी खोला गया भदभदा का गेट नंबर सात

रविवार को एक बार फिर बड़े तालाब का फुल टैंक लेवल होते ही दोपहर ढाई बजे गेट नंबर 7 खोलकर पानी कलियासोत नदी में छोड़ा गया। पिछले तीन दिन में कुल पांच गेट खुल चुके हैं। इस सीजन में पहली बार शुक्रवार को दो गेट खोले गए थे। तब से रोजाना गेट खुलने का सिलसिला जारी है। गौरतलब है कि राजधानी की ऐतिहासिक बड़ी झील में मुख्य रूप से कोलांस नदी का पानी आता है। इस पानी को रोकने के लिए साल 1965 में भदभदा बांध का निर्माण किया गया था। इसमें कुल 11 गेट हैं। बड़ी झील का फुल टैंक लेबल 1666.80 फीट होते ही भदभदा बांध के गेट खोले जाते हैं। इस दौरान हर घंटे 12 एमसीएफटी पानी तालाब से बाहर निकाला जाता है। इस सीजन में 3 दिन में 5 गेट खुल चुके हैं और अब तक करीब 500 क्यूमेक पानी कलियासोत नदी में छोड़ा जा चुका है।

नौकरी का झांसा देकर 6 लाख ठगे, फर्जी नियुक्ति पत्र थमाया

भोपाल (नगर संवाददाता)

सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर अवधपुरी के युवक से छह लाख रुपए ठगने के बाद में श्रम विभाग का फर्जी नियुक्ति पत्र देने का मामला सामने आया है। आरोपी ने विशेष भर्ती अभियान के तहत उच्च श्रेणी लिपिक पद पर नौकरी लगवाने का दावा किया था। भरोसा जीतने के लिए उसने दूसरे व्यक्ति का नियुक्ति पत्र भी दिखाया। रकम लेने के बाद आरोपी ने सील-सिक्के और हस्ताक्षर वाला नियुक्ति पत्र दिया, जिसमें 2 जून 2025 को नियुक्ति होना बताया था। तय तारीख पर नौकरी नहीं लगी तो आरोपी ने नियुक्ति की तारीख बढ़ाकर 6 सितंबर कर दी। जांच में नियुक्ति पत्र फर्जी पाए जाने के बाद अवधपुरी पुलिस ने आरोपी अखिलेश नापित पर कूटरचित दस्तावेज से संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया रचना विहार, अवधपुरी के संतोष कुमार यादव की जनवरी 2025 में परिचित विनोद आहिरे के माध्यम से अखिलेश नापित से पहचान हुई थी। अखिलेश ने संतोष को बताया कि श्रम विभाग में विशेष भर्ती अभियान के तहत 5 पद हैं और वह नौकरी लगवा सकता है। इसके बदले उसने छह लाख रुपए मांगे। आरोपी ने संतोष को शुभम भविष्कार का कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के संयुक्त संचालक पद से संबंधित नियुक्ति पत्र दिखाकर भरोसा दिलाया कि इसी तरह उसका भी नियुक्ति पत्र जारी होगा। संतोष ने 26 मार्च 2025 तक आरोपी को कुल 6 लाख रुपए दिए। इनमें 5 लाख 25 हजार रुपए नेट बैंकिंग और आरटीजीएस से जबकि 75 हजार रुपए नकद दिए।18 अप्रैल को आरोपी ने संयुक्त संचालक,कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं,श्रम विभाग के नाम सील व हस्ताक्षर वाला नियुक्ति पत्र सौंपा। इसमें 2 जून 2025 को नियुक्ति होना बताया था। नियुक्ति नहीं होने पर आरोपी ने तारीख 6 सितंबर 2025 कर दी। सितंबर में भी नौकरी नहीं लगी तो संतोष ने नियुक्ति पत्र की जांच कराई,जिसमें फर्जी पाया गया।

श्रम विभाग में उच्च श्रेणी लिपिक बनवाने का दावा, नियुक्ति की तारीख टालता रहा आरोपी

बीयू में अतिथि विद्वानों के नियुक्ति आवेदन 15 तक

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न शिक्षण विभागों में अतिथि विद्वानों का पैनल तैयार करने की प्रक्रिया जारी है। उम्मीदवार 15 सितंबर तक आवेदन संबंधित विभागाध्यक्ष को स्पीड पोस्ट से भेज सकते हैं या व्यक्तिगत रूप से जमा कर सकते हैं। आवेदन पर विभाग और पढ़ाए जाने वाले विषय का नाम स्पष्ट रूप से लिखना होगा। प्रति व्याख्यान 500 रुपए, महीने में अधिकतम 50 हजार अतिथि विद्वानों को प्रति व्याख्यान 500 रुपए मानदेय दिया जाएगा। वे एक दिन में अधिकतम चार व्याख्यान ले सकेंगे और उन्हें प्रतिमाह अधिकतम 50 हजार रुपए मानदेय मिलेगा। किसी अन्य संस्थान में कार्यरत उम्मीदवार को आवेदन के साथ अनापत्ति प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।

1700 ऑनलाइन कोर्स, विद्यार्थी अब 15 तक कर सकेंगे पंजीयन

भोपाल, प्रसं। डिजिटल शिक्षा को अधिक समावेशी, रोजगारपरक और सर्वसुलभ बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के प्रमुख ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 'स्वयं' पर जुलाई-2026 सेमेस्टर के गैर-एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों में पंजीयन की अंतिम तारीख बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी गई है। जुलाई-2026 सेमेस्टर के लिए स्वयं पोर्टल पर 1700 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। पूर्व में पंजीयन की अंतिम तारीख 31 अगस्त निर्धारित थी। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश में इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने 20 अगस्त की स्थिति में पंजीयन की समीक्षा के बाद संस्थानों को पंजीयन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने और विद्यार्थियों को स्वयं पाठ्यक्रमों की जानकारी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं, महाविद्यालयों के प्राचार्यों और संबंधित अधिकारियों से कहा कि संस्थानों में स्वयं पाठ्यक्रमों के

कल्पना मिश्रा केस की सीबीआई जांच कराने की मांग

भोपाल। कल्पना मिश्रा की मौत के मामले में सीबीआई जांच की मांग को लेकर विंध्य नागरिक अधिकार मंच ने रविवार को गांधी प्रतिमा के सामने एक दिवसीय सांकेतिक धरना दिया। मंच के अध्यक्ष दिलीप तिवारी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में विंध्य क्षेत्र के नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। तिवारी ने कहा कि कल्पना मिश्रा ने मौत से पहले इलाज और मदद के लिए गुहार लगाई थी, लेकिन उसकी आवाज नहीं सुनी गई। अब उसके साथ हुई घटना पूरे विंध्य क्षेत्र के लिए न्याय का सवाल बन गई है। धरने में अनीश शर्मा, भूपेन्द्र मिश्रा, अभिषेक तिवारी, प्रवीण शर्मा, सुरजन, संदीप विश्वकर्मा, देवराज राणा, अंकित रघुवंशी और धीरेंद्र राणा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गोविंदपुरा अस्पताल के चिकित्सक का वीडियो बनाकर दी धमकी

भोपाल। गोविंदपुरा में स्थित नव निर्मित सिविल अस्पताल में शनिवार को भारी हंगामा हो गया। दरअसल, वहां एक वृद्ध मरीज के साथ पहुंचे युवक ने चिकित्सक का वीडियो बनाकर उनके स्थानांतरण की धमकी दी जाने लगी। विवाद की मूल वजह पुराना पर्चा मांगने पर शुरु हुई थी। हंगामे की सूचना मिलने पर पिपलानी पुलिस पहुंची और प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस के अनुसार घटना शनिवार सुबह 11 बजे हथाईखेड़ा डैम के नजदीक बने सिविल अस्पताल में हुई। पुलिस के अनुसार इस मामले में 41 वर्षीय चिकित्सक सत्यजीत सिंह ने थाने में प्रकरण दर्ज कराया है। वे रेजीडेंट डॉक्टर हैं और सिविल अस्पताल में पदस्थ हैं। चिकित्सक संजय खरे बाह्य रोगी कक्ष में मरीज को देख रहे थे। तभी वहां पर अभिषेक यादव अपने वयोवृद्ध दादा जगमोहन यादव को लेकर पहुंचा। उनका मधुमेह का स्तर काफी उच्च स्तर पर था। चिकित्सक ने उनके पुराने पर्चे मांगे। ताकि उनमें लिखी दवाओं को देखने के बाद दूसरी दवाओं के जरिए मधुमेह के स्तर

मध्यप्रदेश में दुष्कर्म-पॉक्सो के 10,628 मामले लंबित

फास्ट ट्रैक अदालतों को हर महीने औसतन 14 केस निपटाने का लक्ष्य

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में दुष्कर्म और पॉक्सो से जुड़े लंबित मामलों के जल्द निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (एफटीएससी) की कार्यप्रणाली की निगरानी और तेज करने की तैयारी शुरू हो गई है। प्रदेश में सभी स्वीकृत 67 एफटीएससी संचालित होने के बावजूद 31 मार्च 2026 तक 10,628 मामले लंबित हैं। इनमें 9,278 मामले ऐसे हैं, जिनमें आरोप पत्र दाखिल हुए दो महीने से अधिक समय बीत चुका है। अब प्रत्येक विशेष अदालत के लिए हर महीने औसतन करीब 14 मामलों के निपटारे का लक्ष्य तय मानक के अनुसार हासिल कराने पर जोर दिया जा रहा है।

जनवरी-मार्च में 10,533 नए मामले आए, निपटे सिर्फ 1,323- मध्यप्रदेश में जनवरी से मार्च 2026 के बीच एफटीएससी में 10,533 नए मामले दर्ज हुए, जबकि इसी अवधि में केवल 1,323 मामलों का निपटारा हो सका। इनमें सिर्फ 88 मामलों में आरोप पत्र दाखिल होने के दो महीने के भीतर फैसला हुआ। निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण का आंकड़ा महज 7.16 प्रतिशत रहा। इसे देखते हुए अब अदालतवार लंबित मामलों और निस्तारण की स्थिति की नियमित समीक्षा की जाएगी।

होगी पड़ताल- सरकार पांच साल से ज्यादा पुराने मामलों में डीएनए नमूने लिए जाने, जांच रिपोर्ट आने और देरी के कारणों की जानकारी भी जुटा रही है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि मामलों के लंबित रहने की वजह अदालत, जांच प्रक्रिया या किसी अन्य स्तर पर है।

हर कोर्ट को साल में 165 मामलों के निपटारे का मानक तय

एफटीएससी के लिए निर्धारित मानक के अनुसार प्रत्येक अदालत को साल में 165 दुष्कर्म और पॉक्सो मामलों का निपटारा करना है। इसका मासिक औसत 13.75 यानी करीब 14 मामले बैठता है। इसके मुकाबले मध्यप्रदेश में जनवरी से दिसंबर 2025 के दौरान प्रति अदालत औसतन 6.11 मामलों का ही निपटारा हुआ। ऐसे में मौजूदा रफ्तार को करीब ढाई गुना तक बढ़ाने की चुनौती है।

जिलों से मांगी जा रही कोर्टवार रिपोर्ट

मध्यप्रदेश लोक अभियोजन संचालनालय ने सभी जिला अभियोजन कार्यालयों से एफटीएससी और पॉक्सो अदालतों की अद्यतन जानकारी निर्धारित प्रारूप में मांगी है। इसमें संचालित अदालतों की संख्या, लंबित और नए मामलों, निस्तारित प्रकरणों, दो महीने के भीतर हुए फैसलों, मामलों की उम्र, दोषसिद्धि दर और डीएनए जांच की स्थिति शामिल होगी।

पांच साल से पुराने 316 मामले

31 मार्च तक लंबित 10,628 मामलों में 1,350 मामले दो महीने से कम पुराने हैं। 4,026 मामले दो से 12 महीने, 4,936 मामले एक से पांच साल और 316 मामले पांच साल से ज्यादा पुराने हैं। यानी लंबित मामलों का बड़ा हिस्सा एक साल से अधिक समय से अदालतों में चल रहा है। पुराने मामलों के कारणों की भी अलग से पड़ताल की जाएगी।

मध्यप्रदेश की दोषसिद्धि दर 23.32 प्रतिशत

वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश में दुष्कर्म और पॉक्सो मामलों में दोषसिद्धि दर 23.32 प्रतिशत रही। मध्य क्षेत्र के चार राज्यों की औसत दर 23.97 प्रतिशत और राष्ट्रीय स्तर पर 17.43 प्रतिशत रही। रिपोर्ट में समय पर डीएनए जांच को दोषसिद्धि दर सुधारने में अहम माना गया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की बैठक के बाद कार्रवाई तेज

19 मई को छत्तीसगढ़ के बस्तर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक हुई थी। इसमें दुष्कर्म और पॉक्सो मामलों के त्वरित निपटारे पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के बाद राज्यों से एफटीएससी के कामकाज, लंबित मामलों और दो महीने की समय-सीमा में हुए निस्तारण की जानकारी जुटाई जा रही है। पुराने मामलों को प्राथमिकता से निपटाने और जरूरत पड़ने पर विशेष अदालतों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर है।

कार्रवाई : सवा चार लाख रुपए की चोरी मामले में दो रिश्तेदारों को पकड़ा

घर की रिश्तेदार और नाबालिग से माल बरामद

- शादी के लिए घर पर रखी थी नकदी

भोपाल (नगर संवाददाता)

निशातपुरा पुलिस ने तीन दिन पहले हुई लगभग साढ़े चार लाख रुपए की चोरी का खुलासा कर दिया है। इसमें एक नाबालिग समेत दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। जिन्होंने शादी के लिए रखी रकम चार लाख रुपए के अलावा सोने के जेवरात चोरी कर लिए थे।

पुलिस के अनुसार आरोपियों से सोने का हार और तीन लाख 79 हजार 500 रुपए नगद बरामद कर लिए हैं। घटना एकता बिलाल कॉलोनी में हुई थी। जिसकी शिकायत थाने में 3 सितंबर को आवेश खान ने दर्ज कराई थी। उनके घर की अलमारी के लॉकर में साले की बेटी की शादी के लिए रखे चार लाख रुपए के अलावा सोने का हार गायब था। घटना के वक्त वे पत्नी और मकान में ही रहने वाले किराएदार के साथ बैंक गए थे। जांच में सामने आया कि घर की मेन गेट की डुप्लीकेट चाबी बनाकर कमरे में रखी अलमारी के लॉकर से नगदी और जेवर चोरी किए गए थे। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर संदिग्धों की जानकारी जुटाई। इसके बाद अरसी पुत्री शेख गफ्फार उम्र 20 साल को गिरफ्तार किया। वह आवेश खान की रिश्तेदार है जो कि एकता बिलाल कॉलोनी में रहती है। उसके साथ एक अन्य नाबालिग भी घटना में शामिल थी। दोनों मोबाइल बंद करके फरार चल रही थी।

पंचायत भवन को चोरों ने बनाया निशाना

इधर, गुनगा थाना पुलिस के अनुसार चोरी की वारदात शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात ग्राम धमर्रा में स्थित पंचायत भवन में हुई। भवन के भीतर लगे छह पंखे, 52 इंच का एलईडी टीवी और चार इलेक्ट्रिक बोर्ड अपने साथ ले गए। चोरी की जानकारी थाने में 35 वर्षीय सरपंच राहुल पाठक ने दी थी। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में तेज बारिश हो रही थी। जिस कारण चौकीदार राजू कुशवाहा भवन में नहीं जा सका था। सुबह भवन का ताला टूटा मिला। पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। हालांकि माल समेटने वाले संदिग्धों का सुराग नहीं मिला है।

जूनियर डॉक्टर आज मुख्यमंत्री निवास की ओर मार्च करेंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश में इंटर्न डॉक्टरों के स्टाइपेंड बढ़ाने का मामला फिर गरमा गया है। डेढ़ माह से सरकार के फैसले का इंतजार कर रहे डॉक्टर अब सोमवार को मुख्यमंत्री निवास की ओर मार्च करेंगे। मार्च हमीदिया अस्पताल के गेट नंबर-1 से शुरू होगा। इंटर्न डॉक्टरों को फिलहाल 14,337 रुपए मासिक स्टाइपेंड मिल रहा है। उनकी मांग है कि इसे बढ़ाकर कम से कम 30 हजार रुपए प्रतिमाह किया जाए।

सेवानिवृत्त शिक्षक ने फांसी लगाई

- चार साल से नशा मुक्ति केंद्र में चल रहा था इलाज

भोपाल (नगर संवाददाता)

कोलार रोड़ में स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र के स्नान घर में वृद्ध की लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिली। पुलिस को किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राथमिक जांच में पता चला है कि वृद्ध का इलाज चल रहा था।

पुलिस के अनुसार दानिश हिल्स में स्थित नशा मुक्ति केंद्र हैं। यहां शनिवार दोपहर लगभग दो बजे राजेंद्र दुबे पिता रामदास दुबे उम्र 63 साल फांसी के फंदे पर लटके मिले। नशा मुक्ति केंद्र के कर्मचारियों ने बताया कि उनका लगभग चार साल से इलाज चल रहा था। वे मूलतः कटनी के रहने वाले थे। राजेंद्र दुबे पहले सरकारी शिक्षक थे। सेवानिवृत्त होने से कुछ समय पूर्व ही परिजनों ने केंद्र में उन्हें भर्ती कराया था। वे शराब पीने की बुरी लत से घिरे थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच एएसआई मंगलेश उईके कर रहे हैं।

आरजीएस के तहत 66.66 प्रतिशत निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को मिला प्रशिक्षण

अच्छी बात : गांव की सरकार में मजबूत हो रहा महिला नेतृत्व

भोपाल (नगर संवाददाता)

गांव की सरकार में महिला नेतृत्व को मजबूत किया जा रहा है। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत बीते 8 माह में कुल 54,512 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इनमें 18,064 निर्वाचित प्रतिनिधि हैं। खास बात यह है कि प्रशिक्षित निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 66.66 प्रतिशत है। कुल 12,042 महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया, जबकि पुरुष निर्वाचित प्रतिनिधियों की संख्या 6,010 यानी 33.27 प्रतिशत रही है।

इसमें महत्वपूर्ण यह है कि पिछले वर्षों में प्रशिक्षित महिला प्रतिनिधियों की संख्या में इस बार बड़ा बदलाव दिखा है। 2022-23 में 27,684 महिला प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण मिला था। 2023-24 में यह संख्या घटकर 13,478 हुई, लेकिन 2024-25 में बढ़कर 39,489 और 2025-26 में 1,11,555 पहुंच गई है। महिलाओं के अलावा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सबसे बड़ी संख्या पंचायत सचिव और समकक्ष कर्मचारियों की रही। इस श्रेणी में 21,222 प्रतिभागी प्रशिक्षित हुए। वहीं ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों के 5,971 और पंचायत फील्ड के 5,615 प्रतिभागी प्रशिक्षण में शामिल हुए हैं।

सरपंच से लेकर महिला प्रतिनिधियों तक प्रशिक्षण

निर्वाचित प्रतिनिधियों में सरपंच श्रेणी के 10,037 लोगों को प्रशिक्षण मिला। ग्राम पंचायत की महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों की संख्या 6,193 रही। इसके साथ ब्लॉक पंचायत की 339 और जिला पंचायत की 10 महिला प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण व्यवस्था में 138 आंतरिक और 1,872 बाह्य प्रशिक्षक जुड़े हैं। इसके अलावा 2,720 जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर और 11,043 ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर भी हैं।

वर्षवार महिलाओं का प्रशिक्षण

वर्ष	प्रशिक्षित महिला प्रतिनिधि
2022-23	27,684
2023-24	13,478
2024-25	39,489
2025-26	1,11,555
2026-27	12,042 महिला प्रतिनिधि

2026-27 के आंकड़े

कुल प्रशिक्षित प्रतिभागी :	54,512
निर्वाचित प्रतिनिधि :	18,064
निर्वाचित महिला प्रतिनिधि :	12,042 (66.66 प्रतिशत)
निर्वाचित पुरुष प्रतिनिधि :	6,010 (33.27 प्रतिशत)
प्रमाणपत्र जारी :	36,564 (67.08 प्रतिशत)
निर्धारित प्रशिक्षण बैच :	1,492
आयोजित प्रशिक्षण बैच :	913

अब तक 61 प्रतिशत प्रशिक्षण पूरा

विभागीय जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण व्यवस्था के लिए 1,492 बैच निर्धारित हुए हैं। जिनमें से 913 बैच में प्रशिक्षण आयोजित हो चुका है। अब तक 36,564 को प्रमाणपत्र भी जारी किये गये हैं।

मातृछाया में गूंजे कान्हा के जयकारे

भोपाल (नगर संवाददाता)

सेवा भारती मातृछाया शिशु कल्याण केंद्र में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं यशोदा सम्मान समारोह श्रद्धा और उल्लास के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सेवा भारती मध्यभारत के अध्यक्ष पी.एस. बिंद्रा, राष्ट्रीय सेवा भारती की उपाध्यक्ष अमिता जैन और सेवा भारती मातृछाया के अध्यक्ष सुनील माहेश्वरी सहित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां- पी.एस. बिंद्रा ने कहा कि मातृछाया में आने वाला प्रत्येक बालक कृष्ण और बालिका राधा स्वरूप है। यहां बच्चों का प्रेम और आत्मीयता से पालन-पोषण कर उनके सर्वांगीण विकास के प्रयास किए जाते हैं। जन्मोत्सव पर आकर्षक झांकियां और बच्चों की सांस्कृतिक व नृत्य प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। समारोह में समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली मातृशक्तियों को यशोदा माता के स्वरूप में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में मटकी फोड़ आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों और उपस्थितजनों ने उत्साह से भाग लिया। सेवा भारती के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, मातृछाया का स्टाफ और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
मुख्य कार्यकारी संपादक : **श्रीमती रश्मि अग्रवाल**, सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)